केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

लगाव एक ऐसा रिश्ता है जो खून से नहीं बल्कि दिल से होता है, यहाँ दूरियाँ मायने नहीं रखती केवल एहसास मायने रखता है...

वर्ष : 16 अंक : 241 | उज्जैन, मंगलवार 10 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

परीक्षा की तैयारी मेहनत से करें, तनाव लेकर नहीं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परीक्षा से पहले विद्यार्थियों से रूबरू चर्चा में की अपील

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। देश की बागडोर आगे चलकर इन्हें ही संभालनी है। इसलिए सभी विद्यार्थी अपने कौशल, ज्ञान और प्रदर्शन में निरंतर सुधार कर खुद को निखारें। परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत और लगन से करें, तनाव बिलकुल भी न लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परीक्षा हमारे जीवन का एक पड़ाव मात्र है, अंतिम लक्ष्य नहीं। मेहनत करना आपकी आदत में होना चाहिए, लेकिन तनाव को खुद पर हावी न होने दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए परीक्षा के वक्त आत्मविश्वास, अनुशासन और संतुलित दिनचर्या ही सफलता की अंतिम कुंजी है। स्वयं पर सदैव विश्वास बनाए रखें, किसी बात से डरकर नहीं, डटकर आगे बढ़िए और अपने सभी सपनों को साकार कीजिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में बोर्ड परीक्षाओं से पहले ÷परीक्षा पर संवाद - 2026÷ कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी के लिये मार्गदर्शन भी दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विद्यार्थियों से परीक्षा के समय खुद को तनाव से दूर रखते हुए निरंतर भरपूर मेहनत करने और जितना भी हो सके, अच्छे अंक लाने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और किसी भी हालात में खुद पर विश्वास बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि असफलता से घबराने की बजाए उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही एक सशक्त व्यक्तित्व की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ अपना भविष्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने की समझाइश दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परीक्षा के समय सभी विद्यार्थी पर्याप्त नींद लें। पढ़ाई का एक शेड्यूल निर्धारित करें। किसी विषय के अध्ययन के बाद उस पर चिंतन-मनन की आदत डालें। केवल अक्षर ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ पाठ्यक्रम के विषयों पर चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रा लक्ष्मी तिवारी के प्रश्न पर कहा कि माता-पिता और बच्चों के बीच परस्पर संवाद होते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से पूछा कि परीक्षा से कौन-कौन डरते हैं या किसको डर नहीं लगता है? इस पर छात्र आदित्य ने कहा कि रेगुलर तैयारी करेंगे तो परीक्षा से बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। सिलेबस को डिवाइड कर रिवीजन करना चाहिए। छात्रा सरस्वती ने कहा कि हमें परीक्षा देते समय खुद पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि परीक्षा एक उत्सव की तरह है। छात्रा तान्या दुबे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि वे हमेशा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों से पूछा कि परीक्षा के समय में पेपर में आए प्रश्नों का उत्तर देने में चयन कैसे करते हैं? इस पर छात्र हिमांशु ने कहा कि वह सबसे पहले अच्छी तरह से आने वाले प्रश्नों को हल करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने बीच पाकर विद्यार्थियों में भारी उमंग और उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सीधे संवाद का अवसर पाकर विद्यार्थियों ने बेहिचक सवाल किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी एक गुरू, एक शिक्षक, एक अभिभावक और एक मनोविज्ञान विशेषज्ञ की भांति पहले विद्यार्थियों के मन का भाव जाना, उनसे खुलकर बात की, फिर पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए। विद्यार्थियों ने अपनी परीक्षा की तैयारियों और इस दौरान आई कठिनाईयां भी शेयर की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ इस आत्मीय संवाद से सभी विद्यार्थियों को परीक्षा से पहले मानसिक संबल और हर परिस्थिति में पॉजीटिव रहने की नई ऊर्जा मिली।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि परीक्षा हर वर्ष एक चुनौती की तरह होती है। विद्यार्थियों को समुचित समय नियोजन करते हुए अपनी तैयारियों पर ध्यान देना चाहिए और तनाव को खुद पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सतत रूप से विद्यार्थियों के साथ परस्पर संवाद करते हैं एवं उनकी कठिनाईयों को समझकर निराकरण करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। वे लीडर विथ लेटेस्ट नॉलेज हैं।

न्यूज ब्रीफ

AI समिट का असर, 25 लाख तक पहुंचा पांच सितारा होटलों का किराया

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आगामी इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के चलते पांच सितारा होटलों के कमरों और लग्जरी सुइट्स के किराये में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। ताज पैलेस और द ओबेराय जैसे प्रतिष्ठित होटलों ने 18 फरवरी की चेक-इन तारीख के लिए अपने प्रीमियम सुइट्स की कीमत 25 लाख रुपये प्रति रात (करों के अतिरिक्त) तक निर्धारित कर दी है। होटल वेबसाइटों पर प्रदर्शित दरों के अनुसार यह बढ़ोतरी सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक है। तुलनात्मक आंकड़ों से पता चलता है कि जहां फरवरी के सामान्य दिनों में ताज पैलेस का लग्जरी सुइट लगभग 90 हजार रुपये प्रति रात में उपलब्ध था, वहीं समिट की तारीख के आसपास यही सुइट 25 लाख रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह द ओबेराय होटल में भी प्रीमियर रूम की कीमत 55 हजार रुपये से बढ़कर 5.5 लाख रुपये प्रति रात तक दर्ज की गई है। अन्य प्रमुख होटलों में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है। द लीला पैलेस में 18 फरवरी के लिए लग्जरी सुइट की कीमत 17 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है, जबकि सामान्य दिनों में यही कमरा करीब तीन लाख रुपये में उपलब्ध रहता है। आइटीसी मौर्य ने कुछ तारीखों को ÷रिस्ट्रिक्टेड डेट÷ घोषित कर दिया है, जिससे बुकिंग सीमित हो गई है। होटल उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि यह बढ़ोतरी पूरी तरह डायनेमिक प्राइसिंग और मांग-आपूर्ति के अंतर का परिणाम है। 16 से 20 फरवरी के बीच भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस एआई समिट को अब तक के सबसे बड़े वैश्विक एआई सम्मेलनों में गिना जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कार्यक्रम के लिए 35 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

भारत में अस्पतालों का कचरा बना 'सुपरबग' का स्रोत, एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर होने का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के अस्पतालों से प्रतिदिन 700 टन बायो मेडिकल वेस्ट उत्सर्जित होता है, जिसमें से 140 टन का उचित निस्तारण नहीं हो पाता। यह मेडिकल कचरा जल और हवा के माध्यम से पर्यावरण प्रदूषित करने के साथ ही मानव शरीर तक पहुंचकर संक्रमणों को जटिल बना रहा है। इससे एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) का खतरा लगातार बढ़ रहा है। घरों में बची या एक्सपायर्ड एंटीबायोटिक्स का गलत तरीके से निस्तारण, अस्पतालों से निकलने वाला बायो मेडिकल वेस्ट और दवा फैक्ट्रियों से बिना उचित शोधन के बहने वाला दवामिश्रित अपशिष्ट एएमआर के प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अस्पतालों में कचरा निस्तारण की कमजोर नीतियां और निगरानी की कमी समस्या को और बढ़ा रही है। देश में सरकारी और निजी कुल लगभग 70 हजार अस्पताल हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, देश में प्रतिदिन लगभग 700 टन मेडिकल कचरा निकलता है, जो सालाना करीब 2.55 लाख टन होता है। अधिकांश का निस्तारण कामन बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट एंड डिस्पोजल फैसिलिटी (सीबीडब्ल्यूटीएफ) के माध्यम से होता है, लेकिन इसका 20 प्रतिशत से अधिक अब भी बिना उपचार के रह जाता है। मेडिकल कचरे का गलत निस्तारण एएमआर के एक बड़े 'अदृश्य स्रोत' की तरह काम करता है और नदियों, झीलों और भूजल को प्रभावित कर रहा है। एंटीबायोटिक अवशेष जल स्रोतों में पहुंचकर मछलियों, कृषि उत्पादों और पेयजल के जरिये इंसानों तक पहुंचते हैं। इससे न सिर्फ संक्रमण फैलता है, बल्कि ये एंटीबायोटिक अवशेष बैक्टीरिया को अधिक प्रतिरोधक बना देते हैं।

महिला सांसदों के भय से नहीं नरवणे की पुस्तक से डर कर लोकसभा में नहीं आए PM मोदी: राहुल गांधी

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रपति अभिभाषण पर नेता विपक्ष को नहीं बोलने देने पर लोकसभा में जारी गतिरोध के लिए राहुल गांधी ने सरकार को जिम्मेदार ठहराने के साथ ही स्पीकर की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना- कांग्रेस की महिला सांसदों के कथित हमले के डर से पीएम धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने नहीं आने के स्पीकर के आरोपों को झूठ बताते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इसलिए नहीं आए क्योंकि वे पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरावणे की पुस्तक के उठाए हमारे मुद्दे से डरे हुए हैं।

महिला सांसदों से खतरे के दावों को चुनौती देते हुए नेता विपक्ष ने कहा कि ऐसा था तो धमकी देने वालों पर एफआइआर दर्ज कर गिरफ्तार क्यों नहीं किया।

लोकसभा में सोमवार, 9 जनवरी को भी अपनी बात रखने का मौका नहीं दिए जाने के बाद संसद परिसर में राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत में सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि अमेरिका से जो टैरिफ समझौता हुआ है उसमें किसानों पर बहुत प्रतिकूल असर होगा। राहुल गांधी ने कहा, बजट चर्चा में अमेरिकी डील में किसानों का यह मुद्दा उठेगा इसलिए सरकार बहस से डर रही है।

कांग्रेस की महिला सांसदों द्वारा पीएम पर सदन में हमले करने की तैयारी के आरोपों को आसन और सत्तापक्ष के दुष्प्रचार के रूप में इंगित करते हुए राहुल गांधी ने इस पर चिंता जताई और कहा कि यह सच नहीं, ऐसा करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।

जनरल नरवणे की किताब पर मचा बवाल- सच्चाई बहुत साफ है कि विपक्ष के सदस्यों के कारण नहीं प्रधानमंत्री जनरल नरवणे की पुस्तक से उठाए उनकी बातों से अब भी डरे हुए हैं क्योंकि वह सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। पीएम में सदन में आने की हिम्मत होनी चाहिए। अगर किसी ने कहा है कि पीएम पर हमला करने वाला है तो एफआइआर कर उस व्यक्ति को गिरफ्तार करें, आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं।

लोकसभा में गतिरोध खत्म करने के संबंध में राहुल ने कहा कि समझौता यह है कि हमें इन बातों को सदन में कहने की अनुमति दी जाएगी और फिर बजट पर चर्चा हो और विपक्ष भी चर्चा चाहता है।

रक्षा मंत्री पर लगाए आरोप- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर सदन में झूठ का दावा करने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि रक्षामंत्री ने कहा था कि पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, जबकि इसकी एक प्रति हमारे पास है।

भाजपा सांसद निशिकांत दूबे को किताबों का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्रियों पर अपमानजक आरोप लगाने का मौका देने पर राहुल गांधी ने स्पीकर आसन की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष समेत पूरे विपक्ष को नहीं बोलने नहीं दिया गया।

राहुल गांधी ने आगे कहा, सत्तापक्ष के एक सदस्य ने किताबों का हवाला दिया, घटिया बातें कही मगर उन्हें कुछ नहीं कहा गया।

गयाजी में मर्डर, मोबाइल गेम खेलने से टोका तो शख्स की पीट-पीटकर हत्या

गयाजी/ जीएनएस। मोबाइल गेम की सनक और नशे की लत ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। गयाजी शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के मंगला गौरी मोहल्ला स्थित संगम टेलर गली में रविवार की देर रात एक बुजुर्ग की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

बुजुर्ग ने गली में मोबाइल गेम खेल रहे युवकों को टोका। यही उनके लिए काल बन गया। मृतक की पहचान 56 वर्षीय अर्जुन मांझी उर्फ राज मिस्त्री के रूप में हुई है, जो पेशे से मजदूर थे।

मृतक की बहू रिंकी कुमारी ने बताया कि मोहल्ला की गली में रोज रात 9 बजे के बाद 5-6 युवक मोबाइल गेम खेलते हुए शोर-शराबा, गाली-गलौज और नशा करते थे।

रविवार की रात करीब 10 बजे भी यही स्थिति थी। शोर से परेशान होकर अर्जुन मांझी बाहर निकले। मोबाइल पर गेम खेल रहे युवकों को गली में इस तरह की हरकत से मना किया। उनका आरोप है कि युवकों ने पहले कहासुनी की, फिर लाठी-डंडे और हाथ-पैर से बुजुर्ग की जमकर पिटाई कर दी।

दिल्ली में बेखौफ बदमाश! शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर कारोबारी से 80 लाख की लूट, गोली मारकर फरार हुए आरोपी

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर पूर्वी जिले में बदमाशों का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। सोमवार को दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर गोली मारकर मनी ट्रांसफर कारोबारी व उसके कर्मचारी से 80 लाख रुपये लूट लिए।

रकम लूटने के बाद बदमाश कश्मीरी गेट की तरफ फरार हो गए। हाथ पर गोली लगने से कर्मचारी घायल हो गया, जबकि कारोबारी की जान बाल-बाल बच गई।

घायल अकील का जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में इलाज चल रहा है। कारोबारी शाहिद की शिकायत पर शास्त्री पार्क थाना ने लूट, हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। दिनदहाड़े हुई इस लूट ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दीं। सवाल खड़े किए आखिर पुलिस इन बदमाशों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही है।

भारत की बढ़ेगी ताकतः चीन-पाकिस्तान भी हैरान, राफेल-तेजस की लिस्ट में शामिल होगा ग्रिपेन लड़ाकू विमान?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सिंगापुर एयरशो (3 से 8 फरवरी) के दौरान स्वीडन की रक्षा कंपनी एसएएबी (स्वेन्स्का एयरोप्लान अक्तीबोलागेट) ने भारतीय वायुसेना के लिए अपने ग्रिपेन ई लड़ाकू विमान को लेकर एक महत्वाकांक्षी प्रस्ताव पेश किया है।

कंपनी ने न केवल विमान बेचने, बल्कि भारत में दुनिया का सबसे उन्नत एयरोस्पेस इकोसिस्टम बनाने का वादा किया है।

तकनीकी पावरहाउस व त्वरित डिलीवरी एसएएबी के ग्रिपेन मार्केटिंग ऑफिसर और वाइस प्रेसिडेंट मिकेल फ्रांजेन ने कहा कि ग्रिपेन ई बाजार में सबसे आधुनिक और किफायती लड़ाकू प्रणाली है।

भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी ताकत- मिकेल फ्रांजेन ने जोर देकर कहा कि यह विमान राफेल और तेजस के साथ मिलकर भारतीय वायुसेना की शक्ति में जबरदस्त वृद्धि करेगा।

एसएएबी का मुख्य आकर्षण इसकी त्वरित डिलीवरी है। कंपनी का दावा है कि अनुबंध होने के तीसरे साल से ही विमानों की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

तरनतारन में एकतरफा प्यार का खूनी अंत, जज बनना चाहती थी छात्रा

तरनतारन/ जीएनएस। जिला तरनतारन के गांव उसमां स्थित पंजाब कॉलेज ऑफ लॉ में सोमवार की सुबह करीब 9 बजे कानून की पढ़ाई कर रहे सेकेंड सेमेस्टर के छात्र प्रिंसराज सिंह (19) ने अपनी सहपाठी संदीप कौर (20) को क्लास रूम में ही मामूली तकरार के दौरान गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

अगले ही पल युवक ने खुद को भी गोली मार ली। उसे इलाज लिए अस्पताल दाखिल करवाया गया है, जहां हालत काफी गंभीर है। इस घटना में प्रयोग पिस्टल को थाना सरहाली की पुलिस ने कब्जे में लेकर गहन पड़ताल शुरू कर दी है।

विधानसभा हलका पट्टी के कस्बा नौशहरा पन्नूआं निवासी हीरा सिंह की 2023 में मौत हो चुकी है। उनकी सबसे बड़ी बेटी सुमनदीप कौर स्थानीय कचहरी में बतौर वकील प्रैक्टिस करती है। छोटी बेटी संदीप कौर जज बनने का सपना संजोय कर गांव उसमां स्थित पंजाब कॉलेज ऑफ लॉ में कानून की पढ़ाई (सेकेंड सेमेस्टर) कर रही है।

संदीप कौर की बहन सुमनदीप कौर मुताबिक करीब तीन माह से प्रिंसराज सिंह एक तरफा प्यार में उसकी बहन को परेशान करता आ रहा है। जबकि संदीप कौर उसे कई बार हद में रहने की नसीहत दे चुकी थी। एक सप्ताह पूर्व स्वजनों की गैर-मौजूदगी में प्रिंसराज सिंह संदीप के घर विवाह का प्रस्ताव लेकर आया, लेकिन उसे बेरंग लौटा दिया गया।

किसी भी नई टेक्नोलॉजी से डरने की जरूरत नहीं बस उसे अपना मालिक न बनने दें: पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को छात्रों से कहा कि उन्हें किसी भी नई टेक्नोलॉजी से डरने से जरूरत नहीं है, बस उसे अपना मालिक न बनने दें। यह चाहे मोबाइल हो या फिर एआई या भविष्य में आने वाली कोई टेक्नोलॉजी हो।

मोबाइल के गुलाम बन रहे बच्चे- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने इस दौरान बच्चों में देखी जा रही मोबाइल लत का उदाहरण दिया और कहा कि कुछ बच्चे ऐसे हो गए हैं, जो मोबाइल के इतने गुलाम हो गए हैं कि मोबाइल नहीं तो खाना नहीं खा सकते। टीवी नहीं है तो वो जी नहीं सकते है। पीएम ने इस दौरान बच्चों को अच्छे लीडर बनने का मंत्र भी दिया और कहा कि लीडर बनने का मतलब सिर्फ चुनाव लड़ना या राजनीतिक दल बनाना नहीं है, बल्कि हम अपनी बात लोगों पर बगैर थोपे कैसे समझा पाए, यह भी होता है।

पीएम मोदी की परीक्षा पे चर्चा- पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण के दूसरे एपिसोड में देश के अलग- अलग हिस्सों के छात्रों से परीक्षा व जीवन से जुड़ी चुनौतियों पर बात करे हैं। साथ ही उनके सवालों का जवाब दे रहे थे।

कोयंबटूर, रायपुर, गुजरात व गुवाहाटी में छात्रों के साथ बातचीत में एआई से जुड़े सवाल पर पीएम ने कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी उभरती टेक्नोलॉजी से डरने की नहीं. उनका इस्तेमाल अपने स्किल्स को बेहतर बनाने व क्षमता बढ़ाने के लिए करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने छात्रों से परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों का अभ्यास करने और अच्छी नींद लेने की सलाह दी परीक्षाओं की अच्छी तैयारी के बाद आपको कभी तनाव महसूस नहीं होगा। अच्छी नींद आपको बाकी दिन खुश रखेगी।

पीएम मोदी से इस दौरान एक बच्चे ने पूछा कि हम बच्चों से ऐसी कौन ही क्वालिटी की उम्मीद करते हैं, जो हमारे अंदर होनी चाहिए। जैसे लीडर के रूप में?

पीएम ने कहा कि देखिए लीडर से पहले निडर बनिए। जो काम है, मन में तय करिए। कोई करे या न करे, उसे करिए। लीडरशिप में एक क्वालिटी होना बहुत जरूरी है कि आप दस लोगों को अपनी बात समझाए, थोपे नहीं।

कैरियर चुनने से जुड़े सवाल पर पीएम मोदी ने कहा, लगातार बदलती ख्वाहिशों से परिवार कन्फ्यूज हो जाते हैं लेकिन सफल लोगों से इंस्पायर होना नैचुरल है।

इंदौर जिले में हॉस्टलों के विद्यार्थियों के लिए शुरू होगा अपनत्व अभियान

योजनाओं की संतृप्ति और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण तथा त्वरित निराकरण के लिए दिए गए अधिकारियों को निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता, जवाबदेही और जनसंतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों (टीएल) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के त्वरित, सकारात्मक और गुणवत्तापूर्ण निराकरण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा, जनकल्याणकारी योजनाओं की संतृप्ति, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधार जैसे कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाडे, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जिले में सीएम हेल्प लाईन के तहत दर्ज प्रत्येक शिकायत का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए और शिकायतकर्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में उन्होंने रेण्डम रूप से विभिन्न विभागों में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। इस दौरान जिन विभागों द्वारा शिकायतों के निराकरण में लापरवाही या देरी पाई गई, उन्हें सख्त चेतावनी दी गई। गंभीर लापरवाही वाले मामलों में संबंधित अधिकारियों पर पेनल्टी लगाई गई। साथ ही अतिरिक्त विलंब वाले मामलों की जांच के लिए जॉइंट कलेक्टर की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है।

बैठक में बताया गया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मानसिक सहयोग के उद्देश्य से जिले में अपनत्व अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों को हॉस्टल आवंटित किए गए हैं। अधिकारी हॉस्टल में रह रहे विद्यार्थियों से संवाद करेंगे, उनकी समस्याएं समझेंगे और अभिभावक की भूमिका निभाते हुए उन्हें मार्गदर्शन देंगे। साथ ही हॉस्टलों में लाइटिंग, टॉयलेट और अन्य आधारभूत सुविधाओं की भी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। बैठक में श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आवंटित हॉस्टलों का संवेदनशीलता के साथ निरीक्षण करें।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने चिन्हित महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं को जिले में संतृप्ति स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। लक्ष्य यह है कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। इन योजनाओं की नियमित समीक्षा टीएल बैठकों में की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने औद्योगिक क्षेत्रों में दूषित जल के उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। बताया गया कि जिन फैक्ट्रियों में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट ईटीपी संचालित नहीं हो रहे हैं, उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। उद्योगों के संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वैकल्पिक रूप से पंजीकृत ईटीपी प्लांट में कंटेनर के माध्यम से अपशिष्ट भेजें। नियमों का पालन नहीं करने पर सीलिंग और एफआईआर जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने इंदौर में सुगम यातायात बनाए रखने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री करने, आवश्यक सुधार कार्य करने, सौन्दर्यीकरण करने, लिंक रोड से अतिक्रमण हटाने तथा नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के समन्वय से कार्य करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट समाप्त करने की दिशा में भी कार्य किया जाए। साथ ही निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों की पार्किंग भी निश्चित करायी जाए। बताया गया कि साथ ही विभिन्न एजेंसियों द्वारा बनाए जा रहे फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स की भी सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सभी विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और सुगम जीवन मिल सके। बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में जल सुनवाई के प्रभावी आयोजन के निर्देश दिए गए।

मोहल्ला समिति बैठक का असरः एरोड्रम पुलिस की पहल से बांगड़दा रोड पर स्ट्रीट लाइटें, यातायात हुआ सुगम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण और आमजन से बेहतर समन्वय के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा लगातार मोहल्ला समिति बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों के माध्यम से आमजन से संवाद कर क्षेत्रीय समस्याओं, सुझावों और अवैधानिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की जा रही है, साथ ही शैडो एरिया एवं हॉट स्पॉट पर सतत निगरानी भी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस थाना एरोड्रम क्षेत्र में आयोजित मोहल्ला समिति बैठकों के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बांगड़दा रोड पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट न होने के कारण आए दिन वाहन चालकों और राहगीरों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही अंधेरे का लाभ उठाकर असामाजिक तत्वों द्वारा किसी अप्रिय घटना की आशंका भी बनी रहती थी। उक्त समस्या को गंभीरता से लेते हुए थाना एरोड्रम पुलिस द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि पार्षद वार्ड क्रमांक 16 श्रीमती सोनाली मुकेश धारकर एवं नगर निगम को स्थिति से अवगत कराया गया। पुलिस के संज्ञान में आने के पश्चात पार्षद द्वारा त्वरित पहल करते हुए लक्ष्मीबाई अनाज मंडी से शुक्ला जी के ढाबे होते हुए ग्राम छोटा बांगड़दा तक मुख्य मार्ग पर खंभों पर स्ट्रीट लाइटें लगवाई गईं। स्ट्रीट लाइट लगने से क्षेत्र में रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी उपलब्ध हो गई है, जिससे आमजन और राहगीरों को राहत मिली है तथा यातायात व्यवस्था भी अधिक सुगम हो गई है। एरोड्रम पुलिस की सक्रियता और स्थानीय पार्षद के सहयोग से हुए इस कार्य की क्षेत्रवासियों द्वारा खुले दिल से सराहना की जा रही है, जिसे सामुदायिक पुलिसिंग का एक सकारात्मक उदाहरण माना जा रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत मनाया गया बंधक श्रम उन्मूलन दिवस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत लगातार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत आज श्रम विभाग द्वारा बंधक श्रम उन्मूलन दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत जिले की ग्राम पंचायत बड़ियाकीमा में शिविर लगाया गया। शिविर में श्रम विभाग द्वारा बंधक श्रम की परिभाषा एवं अन्य प्रमुख प्रावधानों का वाचन किया गया एवं बंधक श्रम कुप्रथा के उन्मूलन संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों/श्रमिकों के संबल व कर्मकार पंजीयनों की पुष्टि करते हुए योजनाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 2016 अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बालक को नियोजित करने पर 20 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के जुर्माना एवं 6 माह से 2 वर्ष तक की सज़ा सहित अन्य प्रावधान है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से श्रीमती कुंता बाई रावत (सरपंच), श्री सन्नी साहू (सचिव), स्वास्थ्य विभाग (सी.एच.ओ), कृषि विभाग (ए.ई.ओ), लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, आँगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, कोनिका कोष्टा (श्रम निरीक्षक), कुलदीप इंगले (श्रम निरीक्षक) आदि मौजूद थे।

इंदौर जिले में जनगणना 2027 की व्यापक तैयारियां प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में जनगणना 2027 की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई है। जिले में दो चरणों में जनगणना का कार्य होगा। पहला चरण अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा। यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जनगणना संबंधी जिला समन्वय समिति की पहली बैठक में दी गई। बैठक में जनगणना संबंधी नियम और निर्देशों तथा निर्धारित कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। जनगणना में गुणवत्ता और उच्च स्तर से प्राप्त नियमों और निर्देशों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि जनगणना का पहला चरण अप्रैल से प्रारंभ होगा। इस चरण में एक मई से 30 मई 2026 तक घर-घर जाकर मकानों की सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इसके पूर्व 15 दिन की समयावधि में ऐप के माध्यम से स्व-गणना का विकल्प भी मौजूद रहेगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इस दूसरे चरण में डिजिटल माध्यम से घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। जनसंख्या 2027 के लिए संदर्भ तारीख एक मार्च 2027 होगी।

बैठक में आगामी जनगणना कार्य को लेकर व्यापक समीक्षा की गई। बताया गया कि जनगणना की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएंगी। इन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति की जा रही है। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

ड्रेनेज में केमिकल युक्त अपशिष्ट जल छोड़ने पर नगर निगम की सख्त कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा ड्रेनेज सिस्टम में केमिकल युक्त अपशिष्ट जल छोड़ने वाली औद्योगिक एवं व्यापारिक इकाइयों के विरुद्ध सख्त निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित इकाइयों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए स्पॉट फाइन लगाया गया। निरीक्षण के समय यह पाया गया कि कुछ औद्योगिक इकाइयाँ बिना किसी ट्रीटमेंट के केमिकल युक्त अपशिष्ट जल को सीधे ड्रेनेज लाइन में प्रवाहित कर रही थीं। इस लापरवाही से न केवल शहर के ड्रेनेज सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। इस गंभीर अनियमितता को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा त्वरित दंडात्मक कार्रवाई की गई। झोन क्रमांक 17 के अंतर्गत की गई कार्रवाई में यूनो ट्रेडर्स पर एक लाख रुपये, रॉयल ट्रेडर्स पर पचास हजार रुपये तथा एम.एम. ट्रेडर्स पर बीस हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। इस प्रकार कुल एक लाख सत्तर हजार रुपये से अधिक की राशि का जुर्माना वसूल किया गया।

एमपी ट्रांसको के नवाचार को मिली देश के पावर सेक्टर में ख्याति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस इंजीनियरों द्वारा विकसित एक नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त हुई है। भारत सरकार के केंद्रीय सिंचाई एवं विद्युत बोर्ड (सीबीआईपी) तथा पेरिस स्थित इंटरनेशनल काउंसलिंग आन लार्ज इलेक्ट्रिकल सिस्टम (सिगरे) की भारतीय इकाई, सिगरे इंडिया द्वारा विकास भवन , नई दिल्ली में आयोजित नेशनल कांफ्रेस में इस नवाचार से संबंधित शोधपत्र एमपी ट्रांसको के इंजीनियर्स विकास भारिया (सिवनी), जितेन्द्र तिवारी (जबलपुर) एवं आशुतोष राय (इटारसी) ने प्रस्तुत किया।

ट्रांसमिशन लाइनों मे टी एफ आर सुधार हेतु पिट आधारित अर्थिंग का नया प्रयोग- एमपी ट्रांसको द्वारा विकसित यह नवाचार ट्रांसमिशन लाइनों पर पिट आधारित अर्थिंग से संबंधित है। इस तकनीक के माध्यम से लगभग 35 वर्षों से अधिक पुरानी ट्रांसमिशन लाइनों पर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में आकाशीय बिजली (लाइटनिंग) के दौरान होने वाली ट्रिपिंग एवं ब्रेकडाउन की घटनाओं को सीमित करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। यह नवाचार ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता और निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अर्थिंग के विशेषज्ञों ने कम चर्चित विषय पर इस प्रकार का शोध किये जाने पर भूरि भूरि प्रशंसा कर अन्य पावर संस्थानों के लिए अनुकरणीय बताया। कॉन्फ्रेंस में एमपी ट्रांसको के अनीश कांत दुबे,राजेश्वर सिंह ठाकुर एवं विवेक मोजासिया भी शामिल हुए।

शोधपत्र प्रकाशन के लिए चयन- एमपी ट्रांसको के इस प्रस्तुतीकरण एवं ट्रांसमिशन लाइनों के लिए अत्यंत उपयोगी इस नवाचार को देश के विभिन्न पावर सेक्टर संगठनों एवं राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सराहना प्राप्त हुई है। एवं इस शोधपत्र को विश्व की प्रतिष्ठित पावर मैगजीन सिगरे इंडिया में प्रकाशन के लिए चयनित किया गया है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों को बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के पावर सेक्टर के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और इससे ट्रांसमिशन सिस्टम की मजबूती बढ़ेगी।

एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने भी इंजीनियरों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कंपनी निरंतर नवाचार, अनुसंधान और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर प्रदेश की विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित, सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने की विधान सभा के बजट सत्र की तैयारियों के साथ ही शासकीय योजनाओं और सुशासन की समीक्षा

केंद्रीय बजट के अनुरूप परियोजनाओं और योजनाओं के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने विभाग अध्यक्षों सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव से अपेक्षा की है कि वे केंद्रीय बजट के प्रावधानों के अनुरूप परियोजनाएं और योजनाएं तैयार कर भारत सरकार को भेजें इससे मध्यप्रदेश के प्राथमिकता क्षेत्र को अत्यधिक लाभ मिल सके। मंत्रालय में सोमवार को बैठक में मध्यप्रदेश विधान सभा के बजट सत्र की तैयारियों, वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति, सुशासन के बिंदुओं सहित मंत्रि-परिषद के निर्णयों के पालन की समीक्षा की।

मुख्य सचिव श्री जैन ने मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए हैं कि पिछले सत्रों के शून्यकाल सूचनाओं सहित अपूर्ण उत्तर वाले प्रश्न, आश्वासन और लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं के लंबित मामले यथाशीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठक करने के साथ ही विधानसभा को विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

वार्षिक पूंजीगत खर्चों की समीक्षा- मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि आर्थिक ग्रोथ में पूंजीगत खर्चों का अहम योगदान होता है। अपर मुख्य सचिव श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि अन्य वर्षों की तुलना में इस वित्त वर्ष में पूंजीगत खर्चों में वार्षिक लक्ष्यों की पूर्ति बेहतर है। मुख्य सचिव श्री जैन ने ऐसे विभाग जिनमें अभी भी राशि उपलब्ध है, उनसे कहा है कि इस वित्त वर्ष की शेष अवधि के लिए साप्ताहिक प्लान बनाकर वास्तविक व्यय सुनिश्चित करें।

केंद्रीय बजट प्रस्ताव पर विमर्श- मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देशित किया कि हाल में आए केंद्र सरकार के बजट के प्रावधानों के अनुरूप मध्यप्रदेश में सिटी इकोनॉमिक रीजन, डेडीकेटेड केमिकल और पेट्रोकेमिकल पार्क और मेगा टेक्सटाइल पार्क सहित अन्य परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार करे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा निर्देशों को भी समाहित कर यथाशीघ्र प्रस्ताव भेजे जाए। मुख्य सचिव श्री जैन आयुर्वेदिक विश्वविद्याल के लिए प्रस्ताव भेजने पर आयुष विभाग की सराहना भी की।

मुख्य सचिव श्री जैन ने बताया कि नॉलेज और एजुकेशन सिटी, मेडिकल हब, नाइपर, फार्मास्युटिकल रिसर्च सेंटर, स्कूल और कॉलेजों के लैब, सी मार्ट, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट, पशुपालन और एमएसएमई ग्रोथ फंड जैसे अनेक क्षेत्रों में केंद्र सरकार ने बजट में प्रावधान किए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे यथाशीघ्र प्रस्ताव भारत सरकार को भेजें। मुख्य सचिव श्री जैन ने सलाह दी कि अधिकारी माह में कम से कम एक बार केंद्र में उनके विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री बात अवश्य करें। मुख्य सचिव श्री जैन निर्देश दिए कि इस वित्त वर्ष की प्रगतिरत सामान्य योजनाओं में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत सरकार से संबंधित ऐसी लंबित परियोजनाओं और योजनाओं को उनके संज्ञान में लाएं जिनमें समन्वय की आवश्यकता है। मुख्य सचिव श्री जैन भारत सरकार को भेजे जाने वाले पत्रों को शत प्रतिशत आवासीय आयुक्त को भी भेजने के निर्देश दिए।

सुशासन पर जोर- मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि आमजन की सेवाओं और सुविधाएं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के बाद और अविवादित नामांतरण समय सीमा में होना ही चाहिए। मुख्य सचिव श्री जैन लोकसेवा गारंटी अधिनियम में अधिसूचित सेवाओं में नागरिकों के आवेदन समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने साप्ताहिक समीक्षा में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने के लिए कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिसूचित 735 में से 135 अन्य सेवाओं को भी ऑनलाइन करने और जो सेवाएं अब प्रचलन में नहीं हैं,उन्हें पृथक करने की जरूरत बताई। उन्होंने सी.एम हेल्प लाइन के प्रकरणों के निराकरण में भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखने के लिए कहा है।

पीएम प्रगति में प्रदेश अग्रणी- मुख्य सचिव श्री जैन ने पीएम प्रगति पोर्टल पर मध्यप्रदेश के बेहतर प्रदर्शन की जानकारी देते हुए अधिकारियों को धन्यवाद दिया।उन्होंने इसी तरह की कार्य प्रणाली सीएम मॉनिटरिंग में अपनाने की अपेक्षा की है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि उनके कार्यालय के सभी कार्य ई- आफिस प्रणाली पर ही हों, यह सुनिश्चित किया जाए। भौतिक रूप से फाइलों का संचालन नहीं होना चाहिए। उन्होंने मंत्रि-परिषद की विभिन्न बैठकों में लिए गए निर्णयों के पालन की समीक्षा भी की। मुख्य सचिव श्री जैन गत एक वर्ष में नई नीतियों के लागू होने,क्रियान्वयन की स्थिति और लाभ के आंकलन और अध्ययन के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी विभागाध्यक्ष से कहा कि वे उनके विभागों के निगम,मंडल और बोर्ड की समीक्षा करने के साथ ही वित्त आयोग की अनुशंसाओं की समीक्षा भी करें।

महापौर के नेतृत्व में झोन 10 का निरीक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम द्वारा शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ व सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा हेतु सोमवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने झोन क्रमांक 10 अंतर्गत साकेत नगर, तिलक नगर एवं मनीष पुरी क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर एवं राजेश उदावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गई।

निरीक्षण दल में महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, राजेश उदावत, पार्षद श्री पुष्पेंद्र पाटीदार, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री श्री पी.एस. कुशवाह, अधीक्षण यंत्री श्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री श्री पराग अग्रवाल, झोनल अधिकारी सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने साकेत नगर के समीप स्थित शासकीय खदान भूमि का बारीकी से अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि यह भूमि निगम के स्वामित्व में आती है तो इसके लिए एक समग्र विकास योजना तैयार की जाए, जिससे भविष्य में क्षेत्रीय सुविधाओं के विस्तार हेतु इसका बेहतर उपयोग किया जा सके।

इसके पश्चात महापौर ने श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल से महावीर बाग पानी की टंकी तक निर्मित की जा रही सड़क परियोजना का निरीक्षण किया। लगभग 2.27 करोड़ रुपये की लागत से बन रही यह सड़क 370 मीटर लंबी एवं 18 मीटर चौड़ी होगी। महापौर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

महापौर ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता शहर के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर सड़कें, जलप्रदाय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चल रही सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

इंदौर पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियानः हेलमेट जागरूकता के साथ सख्त कार्रवाई, 1163 वाहन चालकों पर चालान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा जहां एक ओर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं में सिर में गंभीर चोट लगने से होने वाली मौतों को रोकने और नागरिकों में हेलमेट के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों जैसे पलासिया, विजयनगर, महूनाका, चाणक्यपुरी, राजीव गांधी सर्कल सहित अन्य क्षेत्रों में यातायात पुलिस ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई की।

यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई के साथ-साथ अनाउंसमेंट के माध्यम से आमजन को यह भी समझाया जा रहा है कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि उनकी स्वयं की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुलिस कर्मियों द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट के उपयोग और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

दिनांक 08 फरवरी को चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले कुल 1163 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हमेशा हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी और प्राथमिकता है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत स्कीम नंबर 140 में शिविर, महापौर ने नागरिकों से किया सीधा संवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शहर के प्रत्येक वार्ड में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में झोन क्रमांक 19 के अंतर्गत स्कीम नंबर 140 स्थित जोनल कार्यालय परिसर में संकल्प से समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान महापौर ने उपस्थित नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विधायक श्री महेंद्र हडिया, पार्षद श्री प्रणव मंडल, श्री राजीव जैन, श्री महेश बसवाल, झोनल अधिकारी श्री धीरेंद्र बायस सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिविर के दौरान महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं घरेलू कामकाजी महिला योजना के पात्र हितग्राहियों से चर्चा की। उन्होंने हितग्राहियों से यह भी पूछा कि वे पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण का उपयोग किस प्रकार के व्यापार या रोजगार में करेंगे तथा ऋण राशि के सही और उद्देश्यपूर्ण उपयोग के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया।

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर में बंटेगी फरियाली खिचड़ी, आकाश में जगमगाएंगे स्काय लालटेन

श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास 15 को करेगा भव्य आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर न्यास के सदस्यों ने पशुपतिनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया है।

संस्था ने बताया कि आगामी 15 फरवरी, रविवार को भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में विशेष आयोजन होंगे। प्रातः 11 बजे भगवान की राजभोग आरती और दर्शन के पश्चात, न्यास द्वारा भगवान पशुपतिनाथ को फरियाली खिचड़ी का नैवेद्य अर्पित किया जाएगे। इसके तुरंत बाद मंदिर परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और शिवभक्तों के लिए प्रसाद वितरण का शुभारंभ होगा।

इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य और प्रकाशमय बनाने के लिए न्यास द्वारा विशेष पहल की जा रही है। संध्या 7 बजे से मंदिर क्षेत्र के आकाश में स्काय लालटेन उड़ाए जाएंगे। सैकड़ों की संख्या में हवा में तैरते ये दीपक पूरे मंदिर क्षेत्र को अलौकिक आभा प्रदान करेंगे, जो भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। न्यास का उद्देश्य धर्म और सेवा के माध्यम से भक्तों को जोड़ना है। खिचड़ी वितरण के साथ-साथ इस बार आकाश दीपों का यह दृश्य अत्यंत मनमोहक होगा। श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास ने समस्त धर्मप्रेमी जनता और शिवभक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुँचकर दर्शन का लाभ लें, फरियाली खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण करें और शाम को होने वाले आकर्षक स्काय लालटेन उत्सव का आनंद लें।

नीमच के सीआरपीएफ परिसर में सनसनी

झाड़ियों में मिला 2 माह से लापता जवान नंदकिशोर प्रजापत का कंकाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीआरपीएफ परिसर में झाड़ियों के बीच मिले मानव कंकाल की पहचान लापता सीआरपीएफ जवान नंदकिशोर प्रजापत के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच के बाद अंगूठी, मोबाइल फोन और कपड़ों के आधार पर पहचान की पुष्टि की गई है। मामले में विस्तृत पोस्टमार्टम एवं फॉरेंसिक जांच के लिए शव को मंदसौर भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को सीआरपीएफ परिसर में सफाई कार्य के दौरान जवानों की नजर झाड़ियों में पड़े कंकाल पर पड़ी। इसकी सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। कंकाल को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल नीमच भिजवाया गया था

जांच में कंकाल की पहचान नंदकिशोर पिता अमरचंद प्रजापत (उम्र 44 वर्ष) निवासी ग्राम भीम, जिला राजसमंद (राजस्थान) के रूप में हुई है। नंदकिशोर वर्तमान में सीआरपीएफ कैंप नीमच में पदस्थ थे और 27 दिसंबर 2025 से लापता थे। उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कैंट थाना नीमच में दर्ज कराई गई थी।

सूत्रों के अनुसार मृत्यु के कारणों और परिस्थितियों की स्पष्ट जानकारी के लिए शव को विस्तृत पोस्टमार्टम एवं अन्य वैज्ञानिक परीक्षणों हेतु मंदसौर भेजा गया है। इस दौरान परिजन, जांच अधिकारी, चिकित्सकीय टीम और सीआरपीएफ के अधिकारी भी साथ रवाना हुए।

पोस्टमार्टम एवं फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने मामले की हर पहलू से जांच किए जाने की बात कही है।

डी.एम. द्वारा जिले में परीक्षाओं के मद्देनजर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं के दौरान कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की सुविधाओं को ध?यान में रखते हुए कलेक?टर एवं जिला मजिस?ट्रेट श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात?मक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा- परीक्षा शुरू होने के दो घंटे पूर्व से लेकर परीक्षा पूर्ण होने तक 100 मीटर के दायरे में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। खोमचा/लारी- परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर के दायरे में खोमचा या लारी लगाने वालों को प्रतिबंधित किया गया है। मोबाइल फोन- परीक्षा केंद्र पर केवल कलेक्टर प्रतिनिधि को ही मोबाइल फोन लाने की अनुमति होगी। अन्य किसी को फोन उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। नकल रोकना- नकल या सामूहिक नकल करने वालों के विरुद्ध सुसंगत अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। छात्राओं की तलाशी महिला शिक्षिकाओं द्वारा ही ली जाएगी। अनाधिकृत मौजूदगी- परीक्षा केंद्रों के आसपास 5 या अधिक अनाधिकृत लोगों की मौजूदगी प्रतिबंधित रहेगी। ध्वनि विस्तारक यंत्र- म.प्र.कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित हैं। नियम विरुद्ध कार्यवाही- ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित प्रयोग पर म.प्र.गृह विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ 44-02/2015/दो/सी-1 के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गजल सम्राट जगजीत सिंह की जन्म जयंती पर सुरों की सरिता बही

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा गजल सम्राट जगजीत सिंह की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के गायकों ने अपनी कला के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत आबिद शाह ने अपने दर्द भरे स्वर में 'चिट्ठी न कोई संदेश, जाने वो कौन सा देश' गाकर की, जिससे पूरा माहौल भावुक हो गया। इसके पश्चात श्याम गुप्ता ने अपनी मधुर आवाज में 'होंठों से छू लो तुम, मेरा गीत अमर कर दो' पेश किया, जिसे श्रोताओं की खूब वाहवाही मिली।

ललिता मेहता ने बचपन की यादों को समेटे हुए 'वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी' सुनाकर सबको पुराने दिनों में पहुँचा दिया, वहीं स्वाति रिछावरा ने गजल 'प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है' के माध्यम से गजल गायकी की बारीकियों को पेश किया। सतीश सोनी ने 'सीने में सुलगते हैं अरमान' और राजकुमार अग्रवाल ने 'झुकी झुकी सी नज़र बेकरार है कि नहीं' गाकर समां बांध दिया।

कार्यक्रम का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए सिमरन बेलानी ने सुरीले अंदाज़ में'तुमको देखा तो ये ख्याल आया- गीत गुनगुनाया। अभय मेहता ने 'उस मोड़ से शुरू करें फिर ये ज़िंदगी' गाकर पुरानी यादें ताजा कीं, तो हिमांशु वर्मा ने 'तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो' गजल को बेहद खूबसूरती से निभाया। इस शाम को और भी यादगार बनाने में काजल वर्मा और मनीष रिछावरा ने भी अपनी विशेष प्रस्तुतियाँ दीं। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन अभय मेहता द्वारा किया गया और अंत में ललिता मेहता ने सभी उपस्थित कलाकारों और संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

बालोदा गांव में ट्रेक्टर चुराने आए कंजरों की फायरिंग से एक घायल

एसपी विनोद मीना पहुंचे गरोठ, मौके से दो बाईक व दो खाली कारतूस जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाना अंतर्गत गांव बालोदा में रविवार एवं सोमवार की दरमियानी रात्रि में कंजरों का मूवमेंट हुआ। चार-पांच की जोड़ी में कंजरों ने गांव से एक ट्रेक्टर चुराने की कोशिश की। ट्रेक्टर इधर-उधर होने की खटपट होने पर परिजन जागे और चिल्लाए । इस पर ट्रेक्टर के पीछे छिपे कंजरों में से एक ने बाहर आए बुजुर्ग पर फायरिंग कर दी। पेट में गोली लगने से बुजुर्ग की हालत गंभीर हो गई, जिसे रतलाम ले जाया गया है, जहां वह इलाजरत है। उधर, घटना के समय चिल्ला चोट में अन्य ग्रामीण भी जाग गए। जिस पर सभी कंजर मौके से भागे, लेकिन भागने के प्रयास में उनकी दो बाईक वहीं छूट गई। पुलिस ने घटनास्थल से दो खाली कारतूस भी जब्ती में लिए हैं। सोमवार को एसपी विनोद मीना भी गरोठ पहुंचे व जानकारी जुटाई।

थाना पुलिस के अनुसार रामप्रहलाद पिता गणपताल सेन निवासी गांव बालोदा ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि रात्रि में वह निंद्रा में थे। तब रात्रि तीन से चार बजे के बीच उसे ट्रेक्टर के आसपास खटपट की आवाज आई। आरोपियों की ट्रेक्टर चुराने की मंशा थी। घटना के समय मैं और मेरी पत्नी मंजूबाई तथा माताजी मांगीबाई मेरे साथ ही थे। पिताजी दुकान में शटर लगाकर सोए थे। रामप्रहलाद ने पिताजी गणपताल सेन को भी उठाया। सभी ने चिल्ला चोट भी की। आरोपी ट्रेक्टर के पीछे छिपे हुए थे। पिताजी गणपत जब बाहर देखने गए तो उन पर एक आरोपी ने बंदूक से फायरिंग की। गोली पेट में लगी है। चिल्ला चोट के समय पड़ोसी भी जाग गए। इस तरह आरोपी मौका पाकर गांव छोड़कर भाग गए। इधर, घायल गणपताल सेन को रात्रि में ही गरोठ सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां से मंदसौर रैफर किया गया। ज्यादा घायल होने पर रतलाम अस्पताल में भेजा गया है। सूचना पर मौके पर छानबीन करने पहुंची पुलिस टीम को गांव से दो बाईक मिली है, संभावना है कि इसे बदमाश छोड़कर भागे हैं। साथ ही दो खाली कारतूस भी मिले हैं। बाईक के सहारे पुलिस टीम आरोपियों की धरपकड़ में प्रयासतरत है। गरोठ थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय ने बताया कि घटना में घायल रतलाम अस्पताल में उपचारत है। शीघ्र ही आरोपियों को ढूंढकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

जावद में 'गांधीगिरी': वेतन न मिलने पर हाथ में 'माला' लेकर सफाईकर्मियों ने संभाला मोर्चा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद नगर परिषद में सोमवार को एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। परिषद कार्यालय में जहां एक ओर पार्षद दल की महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी, वहीं दूसरी ओर कार्यालय के बाहर हाथ में फूल-मालाएं लेकर खड़े कर्मचारियों ने विरोध का एक अनोखा और 'अजब-गजब' तरीका अपनाया।

वेतन नहीं, पर 'सम्मान' की तैयारी- नगर परिषद के सफाई कर्मचारी, वाटर सप्लाई विभाग के कर्मी और कंप्यूटर ऑपरेटर पिछले लगभग 3 माह से अपने वेतन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। घर का चूल्हा जलाने के लाले पड़ रहे हैं, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऐसे में कर्मचारियों ने नारेबाजी या हंगामे के बजाय 'गांधीगिरी' का रास्ता चुना।

अनोखा प्रदर्शन- वेतन मिल रहा है, हम बहुत खुश हैं! - जावद नगर परिषद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रहलाद बंजारा, दरोगा अनिल राडोदिया, राजु राडोदिया और संजय गेंगट के नेतृत्व में कर्मचारी मालाएं लेकर गेट पर खड़े रहे। कर्मचारियों का कहना है कि वे बैठक में जाकर पार्षदों और अधिकारियों का माला पहनाकर 'सम्मान' करेंगे।

कर्मचारियों ने व्यंग्य के जरिये दिखाई हकीकत - कर्मचारियों ने व्यंग्य करते हुए कहा, हम प्रशासन को यह संदेश देना चाहते हैं कि आपकी परिषद से हमें समय पर वेतन मिल रहा है और हमारे परिवारों में खुशी की लहर है। इसी 'खुशी' में हम आपका स्वागत करना चाहते हैं। यह कटाक्ष सीधे तौर पर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। कर्मचारियों का यह तरीका बताता है कि वे आर्थिक तंगी के कारण कितने हताश हैं कि अब उन्हें विरोध के लिए व्यंग्य का सहारा लेना पड़ रहा है।

भीतर बैठक, बाहर भूख का सवाल - जब परिषद के भीतर शहर के विकास और आगामी योजनाओं पर चर्चा हो रही थी, ठीक उसी समय बाहर वे हाथ खड़े थे जो शहर को साफ रखते हैं और घर-घर पानी पहुँचाते हैं। 3 महीने का बकाया वेतन किसी भी कर्मचारी के लिए मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना जैसा है। अब देखना यह है कि इस 'अनोखी गांधीगिरी' के बाद क्या परिषद की नींद टूटती है या कर्मचारियों का यह 'माला वाला मोर्चा' सिर्फ एक चर्चा का विषय बनकर रह जाएगा।

सीआरपीएफ परिसर में जवान का कंकालनुमा शव मिला, मंदसौर में हुआ पोस्टमार्टम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीआरपीएफ परिसर में एक जवान का कंकालनुमा शव मिलने से हड़कंप मच गया। नीमच में पोस्टमार्टम के लिए फोरेसिंक टीम नहीं होने से जवान के शव को मंदसौर अस्पताल लाया गया। यहां मंदसौर के डॉक्टर व मेडिकल कॉलेज की फोरेसिंक टीम ने मृतक जवान का पोस्टमार्टम किया है। गौरतलब है कि नीमच मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में फोरेसिंक पीएम नहीं हो पाया रहा है। वहां के अधिकारियों ने मंदसौर के अधिकारियों से वार्तालाप कर शव को मंदसौर लाकर यहां पीएम कराया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक नंदकिशोर प्रजापत 44 वर्ष निवासी जिला राजसमंद राजस्थान है। जो नीमच में सीआरपीएफ में पदस्थ था। करीब 44 दिन से वह लापता भी था, जिसके संदर्भ में परिजनों को भी बताया गया था। उधर, सोमवार को सीआरपीएफ परिसर में जब झाड़ियों की सफाई की जा रही थी, तब कंकालनुमा शव मिला। सीआरपीएफ अधिकारी हरकत में आए। नंदकिशोर के परिजन भी सूचना पर पहुंचे। यहां मृतक की अंगूठी, कड़े, मोबाईल व कपड़े से पहचान की गई। परिजनों ने भी हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

दलौदा पुलिस ने 6 जुंआरी पकड़े, 18 हजार नकदी बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस ने मुखबीर सूचना पर मोरखेड़ा रोड़ पर पुलिया के समीप जुआ खेल रहे छत्त व्यक्तियों को पकड़ा है, जिनके कब्जे से 18 हजार रूपए नकदी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार सूचना पर टीम भेजी गई। मोरखेड़ा रोड पुलिया के समीप घेराबंदी कर जुआ खेल रहे आरोपी अकबर पिता शहजाद पठान निवासी दत्ता की घाटी मंदसौर, शोएब पिता तौफिक मेवाती निवासी जैपुरा मंदसौर, समीर पिता बाबू नियारगर निवासी गुदरी तोड़ा मंदसौर, इमरान पिता इस्माइल पठान निवासी स्टेशन रोड मंदसौर, शफी पिता गफ्फूर खान निवासी मदारपुरा एवं भरत पिता प्रकाश सूर्यवंशी निवासी रविदास दरवाजा मंदसौर को हिरासत में लिया गया। इनके कब्जे से 18 हजार नकदी और ताशपत्ती की गेट बरामद की गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शुभम व्यास, सउनि कैलाश बघेल, आरक्षक युवराजसिंह, गोपालकृष्ण, सागर शर्मा, कमलेश, सुनील यादव, विजय दडिंग शामिल रहे।

मत्स्य पालन के लिए अमरपुरा तालाब पट्टे लेने आवेदन आमंत्रित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत मनासा क्षेत्र अंतर्गत स्थित अमरपुरा(गोपालपुरा) जलाशय को मत्स्य पालन, मत्स्य उत्पादन हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर दिया जाना है। इच्छुक पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति, मछुआ समूह, स्व सहायता समूह आवेदन 15 दिवस की अवधि में 19 फरवरी 2026 तक कार्यालयीन समय में दस्तावेजों सहित अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। अमरपुरा(गोपालपुरा) तालाब, ग्राम अमरपुरा ब्लॉक में 36.895 हेक्टेयर जलक्षेत्र, 10 वर्ष अवधि के लिए पट्टे पर आवंटित किया जाना है। प्राप्त आवेदन पत्रों को म.प्र.शासन की मत्स्य पालन नीति 2008 के प्रावधान अनुसार प्राथमिकता क्रम के निर्धारण अनुसार चयन किया जावेगा। वंशानुगत मछुआ सहकारी समिति, स्व-सहायता समूह, अनु.जनजाति सह.समिति, स्वसहायता समूह, अनु.जाति.सह.समिति, स्वसहायता समूह, सामान्य वर्ग सह. समिति, स्वसहायता समूह को प्राथमिकता दी जावेगी। विस्तृत जानकारी जनपद सीईओ मनासा से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम लदुना एवं कनघट्टी को सौर ग्राम बनाने के दिए निर्देश

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुशासन भवन स्थित सभागृह में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया गया कि ग्राम लदुना एवं कनघट्टी को सौर ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु आवश्यक सभी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। साथ ही संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित कर अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया गया कि विभिन्न विभागों के निष्क्रिय बैंक खातों को तत्काल सक्रिय कराया जाए। उद्यानिकी विभाग को पीएमएफएमई योजना अंतर्गत बैंकों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को कामधेनु योजना के अंतर्गत अधिक प्रकरण तैयार करने तथा बीएलसीसी बैठक में विभाग प्रमुखों को बैंकों के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मछली पालन विभाग को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचाने के लिए कहा गया। कृषि विभाग एवं लीड बैंक मैनेजर को फसल बीमा संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जल अर्पण उत्सव के अंतर्गत पीएचई विभाग को पूर्ण कार्यों का हैंडओवर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान करने पर जोर दिया गया। गेहूं उपार्जन पंजीयन कार्य 7 मार्च तक संचालित रहेगा तथा 10 फरवरी से सत्यापन कार्य प्रारंभ होगा। नापतोल विभाग को सभी तोलकांटों का सत्यापन करने एवं संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय अनुभव साझाकरण एवं सम्मान कार्यशाला का सफल आयोजन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशन में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय अनुभव साझाकरण एवं सम्मान कार्यशाला का आयोजन माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर, बाजना रतलाम में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला जनजातीय कार्य विभाग से सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह एवं सहायक संचालक सुश्री प्रीति जैन उपस्थित थे।

सहायक आयुक्त द्वारा सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड सैलाना के कन्या आश्रम शिवगढ़ एवं बाजना विकासखंड के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय भड़ान कला में की गई विजिट का फीडबैक भी कार्यशाला के दौरान प्रस्तुत किया गया एवं सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम अंतर्गत अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों द्वारा अपने प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए तथा शिक्षकों द्वारा सक्षम कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए गए। सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह द्वारा सक्षम प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। जिसमें उन्होंने बच्चों की मेरी सीख की कॉपियां, मेरी सीख की दीवार क्रक्र चार्ट, स्टडी कॉर्नर, बाल कैबिनेट सहित सक्षम के सभी कॉम्पोनेंट्स देखें एवं उनकी प्रशंसा की। कन्या शिक्षा परिसर बाजना की छात्राओं ने सक्षम जीवन कौशल से जुड़े अपने अनुभव, सीख एवं प्रस्तुतियाँ अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर सक्षम जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रवि प्रताप सिंह तोमर द्वारा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एवं वर्ष 2025-26 की जिला स्तरीय सक्षम कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

कृषि रथ द्वारा भ्रमण कर, ग्राम पंचायतों में किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्रीमती नीलम सिंह चौहान ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 11 जनवरी से 11 फरवरी तक जिले मे कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। जिसमें कृषि एवं संबद्ध विषयों जैसे उद्यानिकी, पशुपालन, आत्मा, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिकी तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों को दी जा रही। आज 09 फरवरी को विकासखंड आलोट के मिनावदा, कालूखेड़ी, डेलवासा, खारवाकला विकासखंड बाजना के तम्बोलिया, गुजरपड़ा, कोटड़ा विकासखंड सैलाना के बावड़ी, तालाबबोर्डि विकासखंड रतलाम के कनेरी, मोरवानी, तितरी विकासखंड जावरा के डुमाहेड़ा, गुर्जर बर्डिया, निम्बोदिया में कृषि रथ द्वारा भ्रमण कर जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, पराली न जलाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देना, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था, के संबंध में कृषकों को जानकारी दी गई।

10 फरवरी को विकासखंड आलोट के दौलतगंज, पिपलिया तुखार, लूनी, निपानिया लीला विकासखंड बाजना के गडावदिया, डाबडी, रानीसिंग विकासखंड सैलाना के बायड़ी, बाशिंदा विकासखंड रतलाम के करमदी, बडोदिया, नायन विकासखंड जावरा के लोद, बर्डिया गोयल, खजुरिया में रथ भ्रमण करेगा। किसान भाई इन पंचायतों में सम्मिलित होकर उक्त योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सम्पादकीय

जब हार ने रच दी पहचानः टी20 विश्व कप में नेपाल का उदय

जब इतिहास करवट बदलता है, तो वह शोर मचाकर नहीं आता, बल्कि मैदान पर उतरकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। 8 फरवरी 2026 की शाम वानखेड़े स्टेडियम में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। समुद्री हवा में घुली रोशनियों की चमक, हजारों दर्शकों की थमी सांसें और करोड़ों दिलों की उम्मीदें एक साथ स्पंदित हो रही थीं। यह कोई साधारण मुकाबला नहीं था, बल्कि छोटे सपनों और बड़े नामों के बीच होने वाली निर्णायक भिड़ंत थी। एक ओर दो बार का विश्व विजेता इंग्लैंड अपने अनुभव और प्रतिष्ठा के साथ खड़ा था, तो दूसरी ओर नेपाल, जिसके पास खिताब नहीं थे, लेकिन हौसलों की अपार पूंजी थी। उसी पल यह साफ हो गया था कि यह मुकाबला आंकड़ों का नहीं, बल्कि जज्बे और आत्मबल का संग्राम बनने वाला है।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने जब पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, तो उसने अपने अनुभव और रणनीति पर पूरा भरोसा जताया। हालांकि शुरुआती ओवरों में ही नेपाल ने इस भरोसे को चुनौती दे दी। फिल साल्ट का जल्दी पवेलियन लौटना इंग्लैंड के लिए एक चेतावनी संकेत था। इसके बाद जोस बटलर ने कुछ रन जोड़े, लेकिन आउट होने के बाद टॉम बैंटन आए और जल्दी आउट हो गए, फिर जैकब बेथेल और कप्तान हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला। दोनों ने संयम और आक्रमण का संतुलित प्रदर्शन करते हुए टीम को स्थिरता प्रदान की। हर रन के साथ इंग्लैंड की पारी मजबूत होती गई। ब्रूक का नेतृत्व और बेथेल की तकनीक यह साबित कर रही थी कि टीम दबाव में भी संतुलन बनाए रख सकती है, लेकिन नेपाल का आत्मविश्वास भी लगातार बढ़ता जा रहा था।

इस दौरान नेपाल के गेंदबाजों और फील्डरों की ऊर्जा और समर्पण देखते ही बनता था। दीपेंद्र सिंह ऐरी की घूमती गेंदों ने बल्लेबाजों को बार-बार भ्रमित किया, जबकि नंदन यादव ने सटीक लाइन-लेंथ से रन गति पर अंकुश लगाया और संदीप लामिछाने ने भी विकेट लेकर दबाव बनाया। फील्डर हर गेंद पर पूरे जोश से जुटे रहे–कभी बाउंड्री पर छलांग लगाकर, तो कभी तेज थ्रो से आसान रन रोककर। यह केवल एक मुकाबला नहीं था, बल्कि अपनी पहचान स्थापित करने का दृढ़ संकल्प था। अंत में विल जैक्स की विस्फोटक बल्लेबाजी से इंग्लैंड 184 रन तक पहुंचा, जो मजबूत जरूर था, लेकिन नेपाल के हौसलों को तोड़ने के लिए पर्याप्त नहीं लग रहा था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने शुरुआत से ही यह स्पष्ट कर दिया कि वह डर और दबाव से मुक्त होकर खेलने आया है। कुशल भुर्तेल ने आसिफ शेख के साथ आक्रामक शुरुआत की और बड़े शॉट लगाकर इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। आसिफ के आउट होने के बाद रोहित पौडेल ने धैर्य और समझदारी से पारी को आगे बढ़ाया, हालांकि कुशल भुर्तेल भी जल्द आउट हो गए। फिर दीपेंद्र सिंह ऐरी के साथ उन्होंने टीम को मजबूत आधार प्रदान किया। हर चौके और छक्के के साथ स्टेडियम का शोर बढ़ता गया और दर्शकों को महसूस होने लगा कि वे किसी ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे हैं। यह केवल रन चेज नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और विश्वास की यात्रा थी। मध्य ओवरों में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने जिम्मेदारी का शानदार निर्वाह किया। उन्होंने परिस्थितियों को भांपते हुए सटीक शॉट्स लगाए और रन गति को बनाए रखा। नेपाल की पारी की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि कोई भी खिलाड़ी घबराया हुआ नजर नहीं आया। सभी को अपने लक्ष्य और क्षमता पर पूरा भरोसा था। इसके बाद आरिफ शेख आए लेकिन जल्द आउट हो गए, फिर लोकेश बाम मैदान में आए और उन्होंने मैच की दिशा ही बदल दी, हालांकि गुलशन झा के जल्दी आउट होने से दबाव बढ़ा। उनकी बल्लेबाजी में निडरता, परिपक्वता और जुनून का अद्भुत मेल दिखाई दिया। जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज पर लगाए गए छक्के सिर्फ रन नहीं थे, बल्कि नेपाल के बढ़ते आत्मविश्वास की सशक्त घोषणा थे।

जैसे-जैसे मैच अंतिम ओवर की ओर बढ़ा, तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। जीत के लिए दस रन चाहिए थे और लाखों दिल एक साथ धड़क रहे थे। स्टेडियम में सन्नाटा और उम्मीद दोनों की मौजूदगी महसूस की जा सकती थी। सैम करन ने इस दबाव भरे क्षण में अद्भुत संयम और समझदारी का परिचय दिया। उन्होंने सटीक लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए नेपाल के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। केवल पांच रन बने और इंग्लैंड चार रन से विजयी हो गया। स्कोरबोर्ड ने इंग्लैंड को विजेता बताया, लेकिन मैदान पर नेपाल का साहस सबसे ऊंचा नजर आ रहा था। यह हार नहीं, बल्कि एक नई पहचान की शुरुआत थी। यह मुकाबला आधुनिक क्रिकेट की बदलती तस्वीर का सशक्त प्रतीक बन गया। अब एसोसिएट टीमें केवल अनुभव जुटाने नहीं, बल्कि इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतर रही हैं। नेपाल, स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी टीमें यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास से खुद को मजबूत बनाया है। इस मैच के बाद नेपाल के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंच पर चर्चा का विषय बन गए और विशेषज्ञों ने उन्हें भविष्य का उज्ज्वल सितारा बताया। टी20 विश्व कप 2026 की यह सुनहरा क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय और भावनात्मक स्मृति बन गई। इस मुकाबले ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की असली सुंदरता उसकी अनिश्चितता, रोमांच और भावनात्मक गहराई में ही बसती है। नेपाल ने यह साबित कर दिया कि सपनों का मूल्य केवल पदकों और ट्रॉफियों से नहीं, बल्कि साहस, संघर्ष, आत्मविश्वास और संकल्प से आंका जाता है। भले ही वे चार रन से हार गए, लेकिन उन्होंने करोड़ों दिलों में सम्मान और प्रेरणा की अमिट छाप छोड़ दी। यह मैच सदैव इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अंकित रहेगा–उस अविस्मरणीय दिन के रूप में, जब एक छोटे से देश ने अपने विशाल हौसलों, अडिग विश्वास और अदम्य जुझारूपन से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया और क्रिकेट को नई सोच, नई ऊर्जा तथा नई पहचान प्रदान की।

भौतिकता से परे जाने का मार्ग है सहज योग

भौतिकता से परे जाने का मार्ग आंतरिक चेतना के विकास, ध्यान, निस्वार्थ कर्म और अध्यात्म के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त करना है। यह भौतिक सुख-सुविधाओं से ऊपर उठकर करुणा, प्रेम, और शाश्वत सत्य से जुड़ने की निरंतर प्रक्रिया है, जो व्यक्ति की अपनी पहचान को देह-बुद्धि से परे आत्मा के साथ स्थापित करने के लिए प्रेरित करती है।

नियमित ध्यान से मन शांत होता है और भौतिक आकर्षणों से दूर होकर अपने भीतर की चेतना को पहचानें? में समर्थ होता है। भक्ति मार्ग पर पूजा, दान दक्षिणा, हवन व भजन मार्ग से भी मन शांत होता है, पर भौतिक आकर्षण से पूर्ण रुपेण तटस्थ होने के लिए सहज योग ध्यान निश्चित ही फलदायी है। नियमित सरल विधि से की जाने वाली ध्यान धारणा बहुत सहजता से हममें सद्गुण प्रस्थापित करती है।

सहज योग ध्यान परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा 1970 में स्थापित एक अनूठी, सहज और निःशुल्क प्रक्रिया है, जो रीढ़ की हड्डी के आधार में सुप्त कुंडलिनी ऊर्जा को जगाकर आत्म-साक्षात्कार प्रदान करती है। यह विचारहीन जागरूकता की स्थिति लाता है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन को बहाल कर तनाव कम करता है। सहज योग माध्यम से कुंडलिनी का जागरण व हमारे सुक्ष्म शरीर के सभी चक्र पर ध्यान हमें अंतर्मन में चैतन्य का प्रकाश भर देता है। हथेलियों से प्रवाहित होते वाइब्रेशन ईश्वर की अनुभूति देते हैं। अपने असंतुलित चक्रों पर कुछ पल के ध्यान से ही हमारे चक्र संतुलित हो जाते हैं।

यह ध्यान की यात्रा हमें बाहरी दिखावे से दूर आंतरिक शांति की ओर ले जाती है, जिसमें सांसारिक सुखों को नकारने के बजाय, उन्हें अपनी चेतना का केंद्र न बनाकर आत्मा की खोज की जाती है। अध्यात्म का मूल सिद्धांत यही है कि हममें से प्रत्येक वास्तव में एक आत्मा है जो कि थोड़े समय के लिए इस भौतिक शरीर में आई है। हमारे जीवन का उद्देश्य अपनी आत्मा का मिलाप परमात्मा से करना व अपने सर्वोत्तम स्वरूप को पाना है। ? और, सहज योग इसका सबसे सहज मार्ग है।

प्रधानमंत्री जी के परीक्षा पर चर्चा 2026 का मनोवैज्ञानिक सारांश

परीक्षा पर चर्चा 2026 (नवें संस्करण) पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक कुशल मनोवैज्ञानिक की भांति विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा किया उन्होंने सीधे परीक्षा तनाव पर चर्चा करने के बजाय छात्रों के जीवन व उनके क्षेत्र से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा किया जिससे छात्र उनसे सीधे जुड़ सके। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हर छात्र अद्वितीय है उनकी अपनी क्षमता, विशेषता, जीवनशैली, सोचने समझने का ढंग अलग- अलग होता है इसलिए विद्यार्थियों का परीक्षा की तैयारी का तरीका अलग-अलग हो सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी परीक्षा की तैयारी अपने ढंग से करनी चाहिए, सभी के सुझाव को सुनना चाहिए किंतु अपने तैयारी का पैटर्न अपने अनुभव के अनुसार तय करना चाहिए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जीवन में ज्ञान एवं कौशल दोनों महत्वपूर्ण है एक के बिना दूसरे का काम चलने वाला नहीं है इसलिए अध्ययन एवं प्रशिक्षण दोनों जीवन में आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से कहा कि हमें बीते हुए कल पर नहीं बल्कि अपने वर्तमान एवं भविष्य पर अधिक फोकस करके अपने विकास की तैयारी करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा की प्रश्न-पत्र उन विद्यार्थियों को ही कठिन लगता है जो पूरे पाठ्यक्रम की तैयारी न करके सिर्फ परीक्षा को ध्यान में रखकर तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा कि मन को मजबूत एवं स्वस्थ रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना के शरीर को स्वास्थ्य व मजबूत रखना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीवन परीक्षा के लिए नहीं है बल्कि परीक्षा जीवन में आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। विद्यार्थियों को परीक्षा को बोझ व मजबूरी के रूप में न लेकर जीवन के विकास के लिए आवश्यक मानकर तैयारी करना चाहिए, जीवन में अंकों का उतना महत्वपूर्ण नहीं होता है जितना की हमारे जीवन में हमारे ज्ञान व कौशल का होता है।

भूलने की समस्या पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विद्यार्थी जितनी अधिक सलंग्नता के साथ अध्ययन करेगा भूलना उतना ही कम होगा। छात्रों को लिखकर अभ्यास करने का सलाह दिया क्योंकि लिखकर सीखी गई विषयवस्तु का विस्मरण कम होता है। विद्यार्थियों को आपस में विषय पर चर्चा करना चाहिए चर्चा के माध्यम से अधिगम मजबूत होता है तथा संप्रत्यय की समझ स्पष्ट होती है। अभिभावकों को चाहिए कि वह बच्चे को उनकी रुचि क्षमता के अनुसार अवसर व संसाधन उपलब्ध करायें ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हमें टेक्नोलॉजी को अपना हथियार बनाना चाहिए कमजोरी नहीं।

प्रधानमंत्री जी ने शिक्षकों को संदेश दिया है छात्रों को प्रश्न पत्र का अभ्यास पर बल देने के बजाय संपूर्ण पाठ्यक्रम को पढ़ने पर जोर देना चाहिए ताकि परीक्षा में कहीं से भी प्रश्न आए तो विद्यार्थी आसानी से हल कर सके। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि समय व्यवस्थापन जीवन की हर अवस्था में महत्वपूर्ण होता है छात्र जीवन में यह अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि समय व्यवस्थापन से न केवल श्रम व ऊर्जा की बचत होती है बल्कि सुव्यवस्थित विकास होता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वह घर के सदस्यों से भी परीक्षा पर चर्चा करके परीक्षा तनाव को प्रबंध करें। परीक्षा हाल में तनाव अधिक होने पर लंबी गहरी सांस लेना अत्यंत लाभदायक होता है। विद्यार्थी को महान लोगों की जीवनी पढ़नी चाहिए तथा उसे अपने आप को जोड़ना चाहिए इससे निराशा एवं हताशा कम होती है परीक्षा की चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी, राष्ट्र प्रेम, जीवनशैली, विकसित भारत, स्वच्छता अभियान, अपने कर्तव्यों का पालन करने तथा तकनीकी के सही उपयोग पर भी बल दिया।

-डॉ. मनोज कुमार तिवारी

महाशिवरात्रिः अंधकार से आत्मबोध तक की शिव-यात्रा

सनातन चेतना में महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण की दिव्य रात्रि है। यह वह क्षण है जब साधक बाह्य संसार की चंचलता से हटकर अंतर्मन में उतरता है और शिव-तत्त्व का अनुभव करता है। 'शिव' का अर्थ ही है कल्याण। जहाँ शिव हैं, वहाँ भय, द्वंद्व और अज्ञान का स्थान नहीं रहता।

आज के भौतिकतावादी और तनावग्रस्त युग में महाशिवरात्रि का महत्व और भी गहरा हो जाता है, क्योंकि यह पर्व मनुष्य को बाहरी सफलता नहीं, बल्कि आंतरिक शांति की ओर ले जाता है। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब प्रकृति स्थिर होती है और चेतना ऊर्ध्वगामी होती है। योगशास्त्र के अनुसार इस रात्रि पृथ्वी की ऊर्जा मानव शरीर में सहज रूप से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। यही कारण है कि इस रात्रि ध्यान, मौन और साधना विशेष फलदायी माने गए हैं। शिव को आदियोगी कहा गया है वे प्रथम गुरु हैं, जिन्होंने मानवता को योग, ध्यान और आत्मानुशासन का मार्ग दिखाया। आधुनिक जीवन और हलाहल विष आज का मनुष्य भी प्रतिदिन हलाहल विष का सामना कर रहा है कार्य का दबाव, प्रतिस्पर्धा, रिश्तों में खटास, अकेलापन, उपभोग की असीम चाह और भविष्य की अनिश्चितता। यह विष धीरे-धीरे मन को अशांत, शरीर को रोगी और आत्मा को थका हुआ बना देता है।

समुद्र मंथन की कथा केवल पौराणिक घटना नहीं, बल्कि जीवन का शाश्वत रूपक है। जैसे देवताओं और दानवों के प्रयास से पहले विष निकला, वैसे ही जीवन में परिवर्तन और प्रगति से पहले संघर्ष और पीड़ा आती है। भगवान शिव का विषपान यह संदेश देता है कि जो चेतना में स्थिर है, वही विष को अमृत में बदल सकती है।

शिव पूजन बाह्य नहीं, अंतःयात्रा- महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पूजन का आध्यात्मिक अर्थ अत्यंत गूढ़ है। शिवलिंग निराकार और साकार के मिलन का प्रतीक है। जब भक्त जल अर्पित करता है, तो वह अपने चंचल विचारों को शांत करता है; दूध अर्पण कर वह अपनी कठोरता को कोमलता में बदलता है।

बेलपत्र अर्पण कर वह अपने तीन दोष काम, क्रोध और लोभ का विसर्जन करता है। आज के समय में शिव पूजन का अर्थ है अपने भीतर के अहंकार, अधैर्य और असंतोष को त्यागना। यही सच्ची आराधना है।

महाशिवरात्रि का रात्रि जागरण केवल आँखों का जागना नहीं, बल्कि चेतना का जागरण है। यह आत्मनिरीक्षण की रात्रि है , मैं कौन हूँ, मेरा लक्ष्य क्या है, और मैं किन विषों को ढो रहा हूँ? आज जब समाज अवसाद, हिंसा और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब शिव का मौन और वैराग्य हमें सिखाता है कि हर समस्या का उत्तर शोर में नहीं, स्थिरता में छिपा है भगवान शिव आशुतोष हैं वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं, क्योंकि वे भाव को देखते हैं, प्रदर्शन को नहीं।

आज जब आडंबर और दिखावे ने साधना को भी प्रभावित किया है, शिव हमें सरलता और सच्चाई का मार्ग दिखाते हैं। एक क्षण का सच्चा ध्यान, एक आँसू भरी प्रार्थना, एक मौन स्वीकार यह सब शिव को प्रिय है। महाशिवरात्रि हमें यह स्मरण कराती है कि शिव मंदिर में ही नहीं, हमारे भीतर भी विराजमान हैं। जब हम अपने भीतर की नकारात्मकता, क्रोध और भय को स्वीकार कर उसे चेतना के कंठ में रोक लेते हैं, तब जीवन नीलकंठ बन जाता है। विष रहते हुए भी करुणा और संतुलन से भरा। महाशिवरात्रि पर्व आत्मा को शिवमय करने का अवसर है। ये बाहरी अंधकार से नहीं, भीतरी प्रकाश से जीवन को बदलने का पर्व है।

-डा. पंकज भारद्वाज

बंगाल में एसआईआर, घुसपैठियों को निष्कासित करने का काम हर हाल में किया जाए

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर की प्रक्रिया के तहत जारी मसौदा सूची से 58 लाख नाम कटने के बाद जिस तरह करीब पांच लाख लोग सुनवाई प्रक्रिया में नहीं पहुंचे, उससे यह लगता है कि नाम कटने वालों का आंकड़ा 63 लाख तक पहुंच सकता है। चूंकि एसआइआर से जुड़े दावों और आपत्तियों पर सुनवाई की समयसीमा बढ़ा दी गई है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा है।

जिस तरह बंगाल में लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से कटे हैं, उसी तरह कुछ अन्य राज्यों में भी ऐसा ही हुआ है। आम तौर पर ये वे लोग हैं, जो अन्यत्र चले गए अथवा अपने पते-ठिकाने पर नहीं रह रहे या फिर जिनका निधन हो गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बिहार में भी इसी कारण अच्छी खासी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए थे।

अब यदि बंगाल में भी ऐसा होने जा रहा है तो ऐसे किसी नतीजे पर पहुंचने का कोई मतलब नहीं कि जानबूझकर लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने अपने इसी आरोप के साथ पहले तो धरने-प्रदर्शन की राजनीति की, फिर अपना पक्ष रखने वकील की हैसियत से स्वयं सुप्रीम कोर्ट पहुंच गईं। इसका उद्देश्य यह संदेश देना था कि चुनाव आयोग बंगाल के लोगों के साथ अन्याय कर रहा है, लेकिन इसमें वे नाकाम रहीं। आखिर जब सुप्रीम कोर्ट एसआइआर से जुड़ी विसंगतियों पर निगाह रख रहा है और इस संदर्भ में आवश्यक आदेश-निर्देश भी दे रहा है, तब फिर मतदाता सूचियों को शुद्ध करने की इस प्रक्रिया के विरोध का कोई औचित्य नहीं। यह विचित्र ही है कि ममता बनर्जी एसआइआर में विसंगतियों को इंगित करने के बजाय यह चाह रही हैं कि यह प्रक्रिया हो ही ना। चुनाव आयोग को समय-समय पर एसआइआर की प्रक्रिया करनी ही चाहिए, क्योंकि इसी से मतदाता सूचियां दुरुस्त होंगी और दुरुस्त मतदाता सूचियां निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव की बुनियाद हैं।

-सुनील कुमार महला

वैश्विक ऑर्डर का रूझान भारत की ओर

2026 की शुरुआत में खड़ा विश्व एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर है जहाँ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी पुरानी व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और शक्ति के ध्रुवीकरण के इस दौर में, वैश्विक पटल पर भारत की भूमिका एक संतुलनकारी शक्ति से बढ़कर एक निर्णायक नेतृत्व की ओर बढ़ रही है।

आज की विश्व व्यवस्था अब एकध्रुवीय नहीं रही। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता, रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने वैश्विक संस्थानों की सीमाओं को उजागर कर दिया है। दुनिया अब कई शक्ति केंद्रों में विभाजित हो रही है, जहाँ मध्यम शक्तियाँ अपनी स्वायत्तता की तलाश में हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं वर्तमान संकटों को सुलझाने में विफल दिख रही हैं, जिससे सुधारित बहुपक्षवाद की मांग तेज हुई है। इन सब विषमताओं के बीच भारत की अपनी आर्थिक सुदृढ़ीकरण और वैश्विक नेतृत्व का उभार भारत को विश्व नेता के रूप में सामने प्रस्तुत कर रहा है।

भारत ने खुद को विकासशील और अल्पविकसित देशों के प्रतिनिधि के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। जनवरी 2026 से भारत ने ब्रिक्स की कमान संभाली है। भारत का लक्ष्य इस मंच को पश्चिम-विरोधी बनाने के बजाय एक समावेशी वैश्विक मंच के रूप में विकसित करना है।

भारत की विदेश नीति अब केवल राष्ट्रीय हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि कोविड-19 के दौरान वैक्सीन मैत्री और तुर्की-सीरिया भूकंप में ऑपरेशन दोस्त के माध्यम से देखा गया। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक नेतृत्व के दावों को ठोस आधार प्रदान करती है। अनुमान है कि भारत जल्द ही जर्मनी और जापान को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत ने किसी भी गुट का हिस्सा बने बिना अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखी है।

वह एक तरफ क्वाड के जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, तो दूसरी तरफ रूस और मध्य-पूर्व के देशों के साथ ऊर्जा और रणनीतिक संबंध भी मजबूत कर रहा है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे यूपीआई और आधार, आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। कई देश भारत की इस तकनीक को अपना रहे हैं, जिससे भारत सॉफ्ट पावर के साथ-साथ टेक पावर के रूप में भी उभर रहा है।

- सुरेश सिंह बैस

देश के आर्थिक विकास को भ्रमित करती वर्ग विषमताएं

देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए।

स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

-संजीव ठाकुर

अर्थव्यवस्था की बढ़ती रफ्तार और काबू में महंगाई के बीच लंबे समय तक दरों में बदलाव के आसार नहीं

दिसंबर के पहले सप्ताह में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने क्रिसमस से पहले ही खुशखबरी दी। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की कटौती की तथा ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ) और डॉलर-रुपये की खरीद-बिक्री स्वैप के माध्यम से प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने का वादा किया।

उसके बाद पिछले शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की आखिरी नीति और केंद्रीय बजट के बाद पहली नीति प्रत्या?शित रही। ऐसा होना स्वाभाविक भी था। जैसा कि कहावत है, 'अगर कोई चीज सही काम कर रही है, तो उसे बदलने की ज़रूरत नहीं'। हम इसे 'अस्थायी नीति' कह सकते हैं।

भारतीय केंद्रीय बैंक की दर निर्धारण संस्था मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के अंत में नीतिगत दर 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया गया और रुख 'तटस्थ' बना रहा। नीतिगत दर पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। हालांकि, एमपीसी के छह सदस्यों में से एक, राम सिंह का रुख अलग था और वह दर में 'उदार' रुख के पक्ष में थे।

दर और रुख दोनों में यथास्थिति बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप थी। फिर भी, कुछ बाजार प्रतिभागियों द्वारा तरलता उपायों की अपेक्षा के चलते 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 6.65 फीसदी से बढ़कर 6.74 फीसदी हो गई। बैंकों के कैश रिजर्व रेशियो में कटौती की भी पुरजोर मांग उठी। आरबीआई ने ऐसा करने से परहेज किया। इतनी जल्दी क्या है? दिसंबर 2025 के पहले सप्ताह में हुई एमपीसी की पिछली बैठक के बाद से दैनिक औसत प्रणाली तरलता या नकदी लगभग 70,000 करोड़ रुपये के अधिशेष की रही है। फिलहाल, अधिशेष कम से कम 2 लाख करोड़ रुपये है।

हालांकि किसी विशिष्ट तरलता उपाय की घोषणा नहीं की गई, मल्होत्रा के बयान में कहा गया- 'आगे चलकर, आरबीआई तरलता प्रबंधन में सक्रिय रहेगा और अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताएं पूरी करने और मौद्रिक नीति के संचरण को सुगम बनाने के लिए बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता सुनिश्चित करेगा। तरलता प्रबंधन के लिए पहले से ही उपाय किए जाएंगे, जिनमें सरकारी अधिशेष में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव, चलन में मौजूद मुद्रा में परिवर्तन, विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप आदि के लिए पर्याप्त गुंजाइश होगी।'

उम्मीदों के मुताबिक, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए अपने वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमानों को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी और दूसरी तिमाही के लिए 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है।

जीएसटी को तर्कसंगत बनाने, सेवाओं के क्षेत्र में तेजी, मौद्रिक नीति में नरमी और कम मुद्रास्फीति से निजी उपभोग बढ़ना चाहिए, साथ ही अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौतों से निर्यात को भी लाभ मिल सकता है।

आरबीआई ने खुदरा मुद्रास्फीति के अपने अनुमानों को भी बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर अब 2.1 फीसदी और चौथी तिमाही के लिए 3.2 फीसदी रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए सीपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति दर 4 फीसदी और दूसरी तिमाही के लिए 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है। दिसंबर में, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दर 2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था, जो अक्टूबर में अनुमानित 2.67 फीसदी से कम था।

यह चौथी बार था जब आरबीआई ने अपने मुद्रास्फीति अनुमान में कटौती की थी। उस समय वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए अनुमान 3.9 फीसदी और दूसरी तिमाही के लिए 4 फीसदी था। केंद्रीय बैंक अप्रैल में आने वाली अपनी नीति में पूरे वर्ष के जीडीपी वृद्धि और सीपीआई-आधारित मुद्रास्फीति के अनुमान जारी करेगा।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4 फीसदी और दूसरी तिमाही में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है, ऐसे में नीतिगत मोर्चे पर लंबे समय तक कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है।

यदि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति आरबीआई के अनुमानों के अनुरूप रहती है, तो मौजूदा नीतिगत दर पर, वास्तविक दर 1 फीसदी से थोड़ी अधिक होगी। नीतिगत घोषणा के बाद मीडिया से बातचीत में मल्होत्रा ने कहा कि अगले नौ महीनों से एक वर्ष तक नीतिगत दर में शायद कोई बदलाव न हो।

पिछले साल फरवरी और दिसंबर के बीच, आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दर को 6.5 फीसदी से घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया था। दिसंबर में, मल्होत्रा ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 'वास्तविक गोल्डीलॉक्स काल' की बात की थी। इस बार भारतीय अर्थव्यवस्था पर उनका क्या दृष्टिकोण है?

दरअसल यह अभी भी उसी 'अनुकूल स्थिति' में है, या उससे भी बेहतर, क्योंकि अंतर्निहित मुद्रास्फीति नियंत्रण में बनी हुई है, जबकि वृद्धि की गति और मजबूत हो रही है। इस समय वृद्धि-मुद्रास्फीति की गतिशीलता को देखते हुए किसी भी तरह की कार्रवाई की जरूरत नहीं दिखती।

-धनंजय राजौरा

19 दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाश

तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, आरोपियों ने कहा चोरी करना पाप है

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम जावदी स्थित हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे पुलिस ने 4 लाख 20 हजार से अधिक का माल भी बरामद किया है। वाहन खराब होने से पुलिस आरोपियों को पैदल लेकर थाने पहुंची और रास्ते में आरोपी कहते रहे कि पुलिस हमारी बाप है, चोरी करना पाप है।

जिले ग्राम जावदी स्थित हनुमान मंदिर से अज्ञात बदमाशों ने दानपेटी सहित प्रतिमाओं पर चढ़े सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए थे। जिसकी सूचना मिलने पर मंदिर समिति सहित ग्रामीणों ने मोहन बड़ोदिया पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और ग्रामीणों ने पुलिस से मामले का जल्द से जल्द खुलासा करने की भी मांग की थी। वही हाल ही में ग्रामीणों ने धरना देकर भी इस मामले के खुलासे की मांग की थी और पुलिस ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही बदमाश गिरफ्त में होंगे। जिसके चलते पुलिस द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे थे। आखिरकार 9 फरवरी को पुलिस को सफलता मिली और चोरी करने वाले दो बदमाशों सहित बेचने के लिए आभूषण रखने वाले एक और युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे मंदिर से चोरी गई नगदी, आभूषण व एक बाईक जब्त की है। पुलिस द्वारा आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

चेकिंग में धराए बदमाश, पूछताछ में माना अपराध- मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल ने बताया कि 8 फरवरी को सारंगपुर रोड स्थित कुम्हारिया गेट के पास पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक तेज गति से बाइक पर आते दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान भूपेंद्र सिंह देवड़ा निवासी सतगांव, जिला शाजापुर और जितेंद्र उर्फ तांतिया चौहान निवासी चांदनगांव, जिला आगर-मालवा के रूप में हुई। जिनसे पूछताछ में दोनो ने वारदात करना कबूल किया। पुलिस को इनकी तलाशी लेने पर इनके पास से अवैध धारदार चाकू बरामद होने पर आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए। बदमाशों ने पुलिस को बताया कि चोरी किए गए चांदी के आभूषण बेचने के लिए उन्होंने प्रशांत उर्फ गब्बर परिहार निवासी आगर-मालवा को दिए थे। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया करीब 4 लाख 20 हजार रू. का माल बरामद भी कर लिया है। वहीं पुलिस ने प्रशांत को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पकड़ाए इन आरोपियों के विरुद्ध शाजापुर ही नहीं बल्कि आगर-मालवा और देवास जिलों में पहले से ही दर्जनों आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

चोरी करना पाप है- पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और इन्हें वाहन से ले जाया जाने लगा। लेकिन उसी समय पुलिस की गाड़ी खराब हो गई, जिस पर आरोपियों को पैदल पुलिस के जाते हुए दिखी। इस दौरान आरोपी कहते दिखे कि चोरी करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। इधर पुलिस की इस कार्यप्रणाली की लोगों ने प्रशंसा भी की है।

45 दिनों तक जैन संत की तरह व्यतीत किया जीवन

उपधान तप के बाल तपस्वी का हुआ बहुमान

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आहार-विचार और संयम के साथ 45 दिनों तक जैन साधु का जीवन व्यतीत करने के बाद पुनः नगर लौटे उपधान तप के बाल तपस्वी गुनीत दुग्गड़ का समाजजनों ने आत्मीय बहुमान किया।

उल्लेखनीय है कि उन्हेल राजस्थान स्थित पावन श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ में पूज्य आचार्य भगवंत श्रीजीतरत्न विजयजी म.सा. के सानिध्य में भव्य उपधान तपाराधना का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में जैन श्रावक/श्राविकाओं द्वारा उग्र तपस्या की गई। इस दौरान नगर के जैन श्रावक मंगलेश दुग्गड़ के 13 वर्षीय पुत्र गुनीत दुग्गड़ ने भी उपधान तप की उग्र तपाराधना में हिस्सा लिया। गुनीत ने 45 दिनों तक अपने परिवार से दूर रहकर जैन तीर्थ पर साधु जीवन व्यतीत किया। दिनांक 21 दिसंबर से प्रारंभ होकर 8 फरवरी तक चली तपाराधना के दौरान पूज्य आचार्य भगवंतों के पावन सानिध्य में साधुचर्यानुसार धार्मिक नियमों व कर्तव्यों का पालन करते हुए गुनित द्वारा नियमित उपवास, एकासने, आयंबिल, प्रतिक्रमण सहित समस्त धार्मिक क्रियाएं संपन्न की गई। उक्त तपाराधना की विशेषता यह भी थी कि तपाराधना में शामिल करीब 35 तपस्वियों में गुनित सबसे कम उम्र के बालक के रूप में शामिल था वहीं शाजापुर नगर के जैन समाज के इतिहास में भी यह पहला अवसर रहा जब इतनी अल्पायु के किसी बालक द्वारा उपाधान तप की उग्र तपाराधना सकुशल पूर्ण की गई। शाजापुर वापसी होने पर सोमवार सुबह 9 बजे स्थानीय पिपली गली से बाल तपस्वी का वरघोड़ा निकाला गया। जो नई सड़क, आजाद चौक, कसेरा बाजार होते हुए ओसवाल सेरी स्थित चौबीस जिनालय धाम पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर बाल तपस्वी का आत्मीय बहुमान किया और तप की अनुमोदना की।

आवारा कुत्तों के नियंत्रण के लिए नगर निगम खोलेगा पांच डॉग शेल्टर होम

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी का मौसम की शुरूआत हो चुकी है, तापमान के बढने के साथ ही आवारा कुत्तों के कटने की घटनाओं में बढोतरी होना शुरू हो जाती है। नगर निगम ने शहरवासियों को आवारा कुत्तों के आंतक से बचाने के लिए पांच डॉग शेल्टर होम खोले जायेंगे। साथ ही आवारा कुत्तों की बढोतरी को रोकने के लिए एक नया एबीसी सेंटर भी खोला गया और कुत्तों को पकडने के लिए एक नई गाडी भी चलाई जा रही है। यह बात कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान की अध्यक्षता में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने आवारा कुत्तों की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताया। इसके साथ ही डॉग बाइट्स से बचाव के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है। इसके साथ ही आवारा कुत्तों की सूचना देने के लिए 9238351620 एवं 0751-2438358 नंबर जारी किए हैं। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान की अध्यक्षता में आयोजित शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने बताया कि लक्ष्मीगंज के पीछे कुत्तों का शेल्टर होम प्रारंभ हो गया है। इसके साथ ही नया एबीसी सेंटर भी खोला जा रहा है जिससे कुत्तों की नसबंदी का कार्य और तेज गति से किया जा सके। इसके साथ ही आवारा कुत्तों को पकडने के लिए एक नई गाडी भी संचालित की जा रही है। नगर निगम आयुक्त ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गाइड लाइन की जानकारी देते हुए शहरवासियों से अपील की है कि वह पूर्व से नसबंदी किए गए कुत्तों जिनके कान कटे हों, पालतु कुत्तों 6 माह से छोटे श्वानों वाली मादा को पकडने से संबंधित शिकायतें पोर्टल पर दर्ज नहीं कराएं। यह एडवाइजरी जारी की नगर निगम द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में कुत्तों के काटने से बचने के लिए कुछ जानकारियां दी गई हैं । जिसमें बताया गया है कि आवारा कुत्तों को न छेड़ें, कुत्तों को पत्थर मारना चिढाना या उन्हें भगाना खतरनाक हो सकता है। कुत्तों की सीधे आंखों में न देखें कुत्ते इसे आकामकता समझते हैं। आवारा श्वान यदि कोई खाद्य पदार्थ खा रहा है तो उसे बिल्कुल परेशान न करें। कुत्तों के पास शांत रहें , अगर कोई कुत्ता आपके पास आए तो न भागें, न चिल्लाएं। कुत्ता गुरराए तो धीरे-धीरे पीछे हटें, लेकिन पीठ न दिखाएं। बच्चों को सिखाएं कि वे किसी अनजान या आवारा कुत्ते के पास न जाए। पालतू जानवरों के मालिकों के लिए यह है जरूरी नगर निगम द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि पालतू कुत्तों का समय पर टीकाकरण (विशेष रूप से रेबीज का) लगवाए। पालतू कुत्ते को पट्टे से घुमाएं और आक्रामक आवारा कुत्तों से दूर रखें।

कुत्ता काट ले तो यह करें- आवारा कुत्ता काट ले तो घाव को तुरंत साबुन और साफ पानी से कम से कम 10 मिनट तक धोए। एंटीसेप्टिक लगाएं और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। घटना की सूचना ग्वालियर नगर निगम या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को दें।

एंटीरेबीज एवं निन्शुल्क नसंबदी के लिए इस नंबर पर दें सूचना- नगर निगम सीमा क्षेत्र में आवारा श्वानों की निःशुल्क नसबंदी एवं एन्टीरेबीज टीकाकरण हेतु ए.बी.सी. सेन्टर के हेल्पलाईन नम्बर 9555676921 पर कॉल या व्हाट्सएप पर सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक मैसेज भेज सकते है।

अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ होम्योपैथी में महिला स्वास्थ्य एवं कैंसर स्क्रीनिंग पर जागरूकता सेमिनार संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में महिला स्वास्थ्य एवं कैंसर स्क्रीनिंग विषय पर एक जागरूकता सेमिनार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी सदस्यों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

सेमिनार की मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु शारदा (गायनेकोलॉजिस्ट) रहीं। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य, स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक पहचान, समय पर जांच एवं नियमित स्क्रीनिंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संस्थान के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता समाज की प्राथमिक आवश्यकता है। वहीं प्राचार्य डॉ. योगेंद्र सिंह भदौरिया ने अपने उद्बोधन में ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों एवं फैकल्टी के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। सेमिनार का सफल आयोजन डॉ. शहला जाफरी, डॉ. अंकित शर्मा एवं डॉ. विभा पाटणकर के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम का संचालन (एंकरिंग) छात्रा इंशिरा खान एवं छात्र हितेश राय द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ, जिसमें उपस्थित फैकल्टी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शांति और सदभाव के साथ मनाएँ सभी त्यौहार - कलेक्टर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि, रमजान, होली, ईद-उल-फितर, रामनवमी, गुड़ी पड़वा, गुड फ्राइडे, चैती चाँद, हनुमान जयंती एवं बैसाखी त्यौहारों को लेकर बैठक में हुई चर्चा जिले में आपसी भाईचारा, शांति एवं सदभाव के साथ पारंपरिक ढंग से होली के साथ सभी त्यौहार मनाए जाएं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला शांति समिति की बैठक में जिलेवासियों से यह अपील की है। बैठक में महाशिवरात्रि, रमजान, होली, ईद-उल-फितर, रामनवमी, गुड़ी पड़वा, गुड फ्राइडे, चैती चाँद, हनुमान जयंती एवं बैसाखी त्यौहारों को ध्यान में रखकर चर्चा की गई। सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, एडिशनल एसपी सुश्री सुमन गुर्जर, शहर के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, विभागीय अधिकारी सहित शांति समिति के सदस्य सर्वश्री संत कृपाल सिंह, शहरकाजी सहित शांति समिति के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि ग्वालियर जिले में सभी त्यौहार शांति और सदभाव के साथ मनाए जाते हैं। त्यौहारों के दृष्टिगत जिला शांति समिति की बैठक के साथ ही थाना स्तर पर भी बैठकों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान ही बच्चों की परीक्षायें संचालित रहेंगीं। इसको ध्यान में रखकर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित समय में धीमी गति के साथ किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी त्यौहारों पर मंदिर, मज्जिद, गिरिजाघर व गुरुद्वारों सहित अन्य पूजा घरों के आसपास साफ-सफाई आदि के पुख्ता प्रबंध किए जायेंगे।

अंग्रेजी के पेपर से होगी बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत

कक्षा 12वी के 9 हजार 612 विद्यार्थी होंगे शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत मंगलवार से होने जा रही है। इस दिन कक्षा 12वी के 9 हजार 612 विद्यार्थी अंग्रेजी का पर्चा हल करेंगे। इसके लिए सोमवार को शिक्षा विभाग के अधिकारी दिनभर तैयारियों में लगे रहे। वहीं बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर भी तैयारियों को शिक्षक-शिक्षिकाएं अंतिम रूप देते रहे।

जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं कल यानी 10 फरवरी से शुरू हो रही हैं। शिक्षा विभाग ने एक दिन पहले ही सभी सेंटरों पर रोल नंबर चिपकाने और दूसरी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार सुबह 9 बजे से 12वीं कक्षा का पहला पेपर अंग्रेजी विषय का होगा। छात्रों को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक पेपर हल करने का समय मिलेगा। विभाग ने शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा कराने के लिए सभी इंतजाम पुख्ता कर लिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शिप्रे ने बताया कि इस साल 10वीं और 12वीं को मिलाकर जिले में कुल 22,497 छात्र परीक्षा देंगे।

63 सेंटरों पर होगी परीक्षा - आज से शुरू हो रही बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में कुल 63 सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें से 59 मुख्य हैं और 4 रिजर्व रखे गए हैं। नकल रोकने और अच्छी व्यवस्था के लिए हर कमरे में करीब 20 छात्रों को बैठाया जाएगा और उनकी निगरानी के लिए एक टीचर की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं संबंधितों को जरूरी निर्देश भी जारी किए गए हैं।

इतने विद्यार्थी होंगे शामिल

10वीं कक्षा- कुल 12,885 विद्यार्थी (12,326 रेगुलर और 559 प्राइवेट)

12वीं कक्षा- कुल 9,612 विद्यार्थी (8,950 रेगुलर और 662 प्राइवेट)

गांवों में सड़कों की खुदाई के पश्चात अनिवार्य रूप से की जाए मरम्मत - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने तहसीलवार एवं अनुभागवार राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए राजस्व वसूली, आरसीएमएस, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फार्मर रजिस्ट्री सहित सभी राजस्व कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी राजस्व प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे तथा सभी अधिकारी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा राजस्व संबंधी कार्यों के निराकरण के लिए अधिकारी अपने बाबू के भरोसे न रहें, बल्कि स्वयं संज्ञान में लेते हुए प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण एवं दावे-आपत्तियों के निपटारे को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज एकत्रित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीमांकन एवं नामांतरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े इन कार्यों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही उन्होंने राजस्व वसूली में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विकास कार्यों के दौरान गांवों की सड़कों की खुदाई के पश्चात उनकी मरम्मत अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। उन्होंने सभी किसानों की फार्मर आईडी बनाने तथा खाद की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निचले स्तर के कर्मचारियों के कार्य निर्धारित कर उनकी ड्यूटी लगाने को भी कहा। बैठक में रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजनाओं का कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए।

किसानों को मिले मुआवजा, समर्थन मूल्य पर हो खरीदी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया तहसील इलाके में भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे किसान संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान तहसील कार्यालय पहुंचे। किसान संघ ने मांग की है कि ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआवजा दिया जाए। साथि ही समर्थन मूल्य पर जल्द से जल्द खरीदी शुरू की जाए। सौंपे गए ज्ञापन में किसानों ने बताया कि असमय बारिश और ओलावृष्टि के कारण तहसील क्षेत्र के कई गांवों में गेहूं, चना, सरसों सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे उन्हें अपनी कृषि लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। संघ ने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का सही तरीके से सर्वे कराया जाए। किसानों को तत्काल राहत राशि के साथ फसल बीमा का लाभ दिया जाए। किसानों ने बताया कि कई इलाकों में फसलें पककर तैयार हो चुकी हैं। पर समर्थन मूल्य पर खरीदी में देरी के कारण किसानों को अपनी उपज कम दामों पर खुली मंडी में बेचने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इससे किसानों को बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों ने मांग की है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी जल्द से जल्द शुरू की जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

21 वर्ष से कम लड़के व 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की का न करें विवाह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे भाजपा विधायक कार्यालय से भाजपा मंडल अध्यक्षों ने इस रथ का शुभारंभ किया। जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन को बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक करना और इसे पूरी तरह समाप्त करने का संदेश देना है। इस रथ के माध्यम से नगरवासियो को बताया गया कि 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह करना कानूनन अपराध है। बाल विवाह करवाने वाले माता-पिता और अन्य सहयोगियों को दो वर्ष तक की सजा या जुर्माना, अथवा दोनों हो सकते हैं।

नशा मुक्त समाज और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित रा से यो शिविर में गतिविधियों का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आयोजित विशेष सात दिवसीय शिविर में आज,नशा मुक्त समाज और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान गतिविधियों का आयोजन आयोजित रा से यो शिविर द्वारा किया गया।

गोद ग्राम गद्दूखेड़ी खेड़ी में प्रभात फैरी के बाद गोद ग्राम गद्दूखेड़ी से अमरपुरा तक नारे लगाते हुए रैली निकाली, अमरपुरा में मुख्य चौराहे पर बालविवाह मुक्त समाज के लिए निकिता मालवीय, दीक्षा राजपूत समूह ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। अमरपुरा में मुख्य मार्ग पर नशा मुक्त समाज के निर्माण में शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है विषय पर प्रमोद करवरिया , मुस्कान लोधी समूह ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

बौद्धिक सत्र में रा से यो इकाई कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश कोटिया ने चरित्र निर्माण और व्यक्तिव निर्माण में रा से यो की भूमिका से शिविरआर्थियो को अवगत करवाया।

अब एमपी ई-सेवा पोर्टल पर उपलब्ध हैं नागरिक सेवाएं, मोबाइल एप के माध्यम से ली जा सकती हैं सेवायें

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विभिन्न शासकीय विभागों के माध्यम से संचालित नागरिक केन्द्रित सेवाएं अब एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। राज्य शासन द्वारा आम जन के लिये सरल, पारदर्शी व त्वरित ऑनलाइन सेवा शुरू की गई है। यह सेवायें एमपी ई-सेवा पोर्टल www.eseva.mp.gov.in एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती हैं। मोबाइल एप गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जिले के सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ एवं सभी विभागों के कार्यालय प्रमुखों को ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल एप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

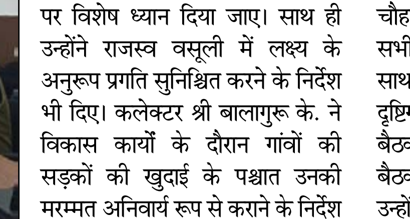

पोर्टल एवं एप पर उपलब्ध मुख्य सेवायें- पोर्टल तथा एप पर सुविधा सेवायें, प्रमाण-पत्र, लायसेंस व कर, राजस्व कृषि एवं ग्रामीण विकास सेवायें, पेंशन, अन्य हितलाभ, सामाजिक कल्याण व सशक्तिकरण, शिक्षा, शहरी आवास और पर्यावरण, ऊर्जा, परिवहन, अधोसंरचना, व्यवसाय, निवेश व प्रमोशन, स्वास्थ्य व कल्याण, न्याय, कानून और शिकायत, यात्रा, संस्कृति, विरासत व पर्यटन, युवा, खेल एवं रोजगार उद्यमिता व कौशल इत्यादि से संबंधित सेवायें एमपी ई-सेवा पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत क्लस्टर लेवल के शिविरों के लिए तैयार की जाए कार्ययोजना - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कुबेरेश्वर धाम में आयोजित होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव के लिए जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें 11 फरवरी को ब्रिफिंग के लिए अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी गंभीरता एवं सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि आयोजन का सुचारू एवं सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत 15 फरवरी से क्लस्टर लेवल पर आयोजित होने वाले शिविरों के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने तथा अधिक से अधिक नागरिकों के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने जिले में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए अभियान में गति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना का लाभ सभी पात्र श्रमिकों तक पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कराते हुए योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए, ताकि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया कि समग्र ई-केवाईसी, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण तथा प्रसूता महिलाओं को डीबीटी लाभ प्रदान करने हेतु ई-केवाईसी के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है। उन्होंने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को आवंटित बजट का समुचित एवं समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ निर्धारित अवधि में हितग्राहियों तक पहुँचाया जा सके।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भावांतर भुगतान योजना के तहत सोयाबीन विक्रेता किसानों के जिन प्रकरणों में ई-पेमेंट फेल हुए हैं, उनका शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी रबी सीजन के लिए सभी किसानों का पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने बताया कि सरसों एवं उड़द फसलों को भी भावांतर योजना में शामिल किया गया है, इसे ध्यान में रखते हुए संबंधित राजस्व अधिकारियों को इन फसलों की गिरदावरी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने उद्यानिकी फसलों को भी गिरदावरी में शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री रविंद्र परमार, श्री जमील खान, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सलसलाई नगर के महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल में हुआ वार्षिक उत्सव पुरस्कार वितरण

विद्यालय वहां होता है जहां संस्कृत खेल के साथ पढ़ाई में भी छात्र अपना विद्यालय परिवार व अपने गांव का नाम रोशन करता है श्री विभूति

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई भारतीय संस्कृति में पहले गुरुकुल चलते थे जहां गुरुकुल में शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक खेल व संस्कृति का आयोजन होता था और वहां विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के बाद अपना गुरुकुल व अपने माता-पिता के साथ अपने गांव का नाम भी रोशन करते थे ऐसा ही यहां आपको महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल विद्यालय मिला है जहां आप छात्र-छात्राएं जिस तरह से हमने अभी अच्छे अंको से पास हुए विद्यार्थी खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी संस्कृत क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को जो पुरस्कार दिया है।

इसी तरह आप भी हर क्षेत्र में आगे रहकर अपने-अपने विद्यालय अपने माता-पिता वह अपने गुरुओं का नाम रोशन करें यहां वार्षिक उत्सव आपको यही संदेश देता है उक्त बातें डॉक्टर अटल बिहारी वाजपेई महाविद्यालय गुलाना के प्रोफेसर बी एस विभूति वार्षिक उत्सव में पुरस्कार वितरण करते हुए महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल सलसलाई में कहीं जहां अतिथि के रूप

में अकोदिया नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन शर्मा अध्यक्षता पटेल दिलीप सिंह मेवाडा ने की विशेष अतिथि मंडल अध्यक्ष महेंद्र गोवा सूरज सिसोदिया हेमंत मेवाड़ा भोजराज मेवाड़ा मांगीलाल तात्या बहादुर मेवाड़ा अमर सिंह मेवाडा जीवन परमार मौजूद थे।

जहां स्कूल के डायरेक्टर प्रकाश मेवाड़ा ने विद्यालय की व्यवस्था के बारे में कार्य योजना को विस्तार समझाया वही अतिथियों का छात्र-छात्राओं के द्वारा श्री राम दुपट्टे के साथ स्वागत किया गया वही कार्यक्रम को नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने छात्र-छात्राओं को अच्छी पढ़ाई कर उज्जवल भविष्य कामना की वही मंडल अध्यक्ष महेंद्र गोवा ने छात्र छात्राओं को बधाई दी पूर्व मंडल अध्यक्ष सूरज सिसोदिया छात्र-छात्राओं को के साथ विद्यालय के बारे में शिक्षा विद्यालय के किस तरह से वह किस तरह हर क्षेत्र में विद्यालय में छात्र-छात्राएं नाम रोशन कर रहे हैं अतिथियों का महाराणा प्रताप किस शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

क्षेत्र में इंग्लिश मध्यम में प्रथम आने पर वही खेल प्रतियोगिता प्रथम आने पर छात्र को शील्ड ट्रॉफी के साथ पुरस्कार देकर किया सम्मानित।

इंग्लिश मध्यम में कक्षा दसवीं में पूरे क्षेत्र में टॉपर रहने वाले छात्र कमलेश मेवाड़ा खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राएं वह अन्य सभी को अलग-अलग परीक्षा में प्रथम आने पर फील्ड देकर ट्रॉफी के साथ गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया सोशल मीडिया से संस्कृति हो रही खराब शानदार प्रस्तुति छात्रों ने जहां अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जहां सरस्वती वंदना के साथ छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति भजन व अन्य नाटक के माध्यम से उपस्थित अभिभावक के साथ सभी को कई संदेश दिए जहां वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर किस तरह से दिनभर माता-पिता लगे रहते हैं और अपने बच्चों पर ध्यान नहीं देते हैं और बच्चा अपनी संस्कृति को भूल जाता है कई प्रकार से जो संदेश दिए वहां सराहनीय इस पर अतिथियों ने नगद पुरस्कार देकर उक्त पूरी ग्रुप टीम को सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन कक्षा दसवीं के छात्र अंजलि मेवाड़ा के द्वारा किया गया कार्यक्रम का आभार शिक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने माना कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं अभिभावक को अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

अग्रवाल महासभा की बैठक में आगामी कार्ययोजना पर किया मंथन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा की नगर एवं जिला इकाई की बैठक रविवार को महासभा की जिला संयोजक रश्मि गोयल के निवास पर जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक की शुरुआत पदाधिकारीयों एवं सदस्यों ने महाराजा श्री अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित के साथ हुई जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने कहा कि समाज की एकजुटता के लिए महासभा निरंतर प्रयास कर रही है इसलिए महासभा ने निशुल्क सदस्यता अभियान की शुरुआत की है बैठक में होली पर्व पर महासभा की ओर से फागोत्सव का आयोजन करने गण गौर पर्व सहित अनेक विषयों पर चर्चा की गई बैठक में सभी सदस्यों ने अपने विचार रखें इस अवसर पर नगर अध्यक्ष हनी गुप्ता सरोज गोयल पुष्पा अग्रवाल इंदिरा गोयल वर्षा गोयल अलका गोयल मीना गोयल राधा अग्रवाल आशा अग्रवाल रीता अग्रवाल पूजा गोयल आयुषी गोयल रचना अग्रवाल सहित महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रही।

सभी खाद्य विक्रेता एवं निर्माता व्यापारियों के लिये सुचना

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी खाद्य विक्रेता एवं निर्माता व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि खाद्य विभाग लाइसेंस के नवीनीकरण से संबंधित कॉल किए जा रहे हैं जिसमें आपका लाइसेंस को लेकर बात कही जाती है व उसे रिन्यू करने के लिए आप पर दबाव बनाया जाएग। जिसको लेकर सभी व्यापारी सचेत ओर जागरूक होवे। क्योंकि जिला खाद्य अधिकारी के अनुसार खाद्य विभाग का कोई भी कर्मचारी खाद्य लाइसेंस के रिनुअल के लिए फोन नहीं करते हैं। इसलिए कृपया सभी व्यापारी ऐसे फ्रॉड कॉल और एसएमएस से सचेत रहे, नहीं तो आप ठगी के शिकार हो सकते हैं।खाद्य लाइसेंस से संबंधित जानकारी के लिए विभाग के अधिकारी या नजदीकी अधिकृत कीओस्क सेंटर से ही संपर्क करें। और यदि आपके पास इस तरह के कोई फ्राड कॉल आते हैं तो इसकी सूचना पुलिस में जरूर करें।

दशोरा नागर समाज की बैठक सम्पन्न हुई

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशोरा नागर महाजन समाज की धर्मशाला में सर्व प्रथम वरिष्ठजनों ने भगवान हाटकेश्वर के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत की जिसमें आगामी त्योहारों को लेकर नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सुगंधी की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें नगर मंडल सचिव हेमंत गुप्ता ने आगामी त्योहारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सर्व प्रथम होली का त्योहार आ रहा है। जिसमें समाज के जीन घरों में गमी हुई है उन परिवारों में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी रंग डालने जाना है। व जिला मुख्यालय पर रंगपंचमी मनाने के साथ ही भगवान हाटकेश्वर प्रकट उत्सव मनाने पर भी चर्चा हुई। जिसमें यह निर्णय लिया गया की प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हाटकेश्वर प्रकट उत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया जायेगा। इस बैठक में बड़ी संख्या में वरिष्ठ समाजजन व हाटकेश्वर सेवा संस्थान के राजेंद्र गुप्ता,दशौरा मित्र मंडल के सदस्य एवं बाबा बर्फानी ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

थाना महिला बड़वानी द्वारा काउंसलिंग से बिछड़े दंपति का पुनर्मिलन कराया

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर के निर्देशन में महिला थाना बड़वानी में आने वाली महिलाओं के साथ न्याय एवं बिछड़े परिवारों को मिलाने के उद्देश्य से कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आवेदिका परिवर्तित नाम संगीता निवासी बड़वानी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि उसका विवाह लगभग 01 वर्ष पूर्व खरगोन निवासी संजय (परिवर्तित नाम) के साथ हुआ था।

विवाह के एक माह तक पति द्वारा बातचीत की गई, इसके पश्चात लगभग एक वर्ष से बातचीत बंद कर दी गई तथा परेशान किया जाने लगा। जिस पर महिला थाना बड़वानी में दोनों पक्षों को तलब कर निरीक्षक श्रीमती सुनीता मुजाल्दा द्वारा काउंसलिंग करते हुए पति-पत्नी को आपसी समझाइश दी गई कि पति-पत्नी का रिश्ता पवित्र होता है तथा एक-दूसरे का मान-सम्मान किया जाना चाहिए। काउंसलिंग के दौरान पति द्वारा अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में पत्नी को पूरी जिम्मेदारी के साथ रखने, प्रेम-स्नेह एवं सम्मानपूर्वक साथ रहने की सहमति दी गई। आपसी समझाइश उपरांत पति-पत्नी दोनों द्वारा पुनः साथ रहकर गृहस्थ जीवन प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया तथा दोनों परिवारजनों की उपस्थिति में आपसी सहमति से पुनर्मिलन कराया गया।

आदिवासी समाज के क्रांतिकारीयो के गाता (मूर्ती) स्थापना को लेकर बैठक आयोजित की गई

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कसरावद आदिवासी समाज के क्रांतिकारियों के गाता (मूर्ति) स्थापना को लेकर कृषि उपज मंडी प्रांगण में जयस संगठन व सर्व आदिवासी समाज के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार मोहरे द्वारा की गई। बैठक में समाज की एकता और सामाजिक मिशन को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। तहसील मुख्यालय व आदिवासी क्षेत्रों में गाता (मूर्ति) स्थापना तथा सांस्कृतिक सामाजिक और जन जागरूकता कार्यक्रम को लेकर सर्व सहमति से निर्णय लिये गये। बैठक में समस्त सामाजिक संगठनो के प्रतिनिधित्व द्वारा अपने-अपने विचार रखें व सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। अंत में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अध्यक्ष रणजीत सिंह मंडलोई द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान जयस अध्यक्ष कपिल खराडे, आदिवासी छात्र संगठन संरक्षक सोमल चौहान, जिला कार्यकारी अध्यक्ष उमेश ठाकुर, अजाक्स ब्लॉक अध्यक्ष गुलाब सिंह देवले, एडवोकेट लखन भावरे, शंकर मेड़ा, पदमसिंह जमरे, अरविंद भूरिया, सूर्या धारवे, बालु सिंह जमरे, कृष्णा वास्कले,गोलू गिरवाल, नांनसिह मंडलोई, कालू ब्राह्मणे, प्रवेश डावर, प्रेम गांगले, शंकर निंगवाल सहित बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक ली संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा एवं अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के साथ ही ग्रेडिंग मंथ के अंतर्गत शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में कलेक्टर द्वारा संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 37,726 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 20,295 आवेदनों का

निराकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत चिन्हित 106 सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने हेतु संबंधित विभागों को आवेदन प्राप्त कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 फरवरी के पश्चात शिविरों के आयोजन हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त शिविरों की जानकारी पूर्व से पंचायत स्तर पर प्रसारित की जाए तथा आपसी समन्वय स्थापित कर सुव्यवस्थित ढंग से शिविर आयोजित किए जाएँ।

बैठक में कलेक्टर ने राजभवन के जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा प्रवासी श्रमिकों का डाटाबेस तैयार किए जाने के उद्देश्य से झाबुआ जिले को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के पोर्टल पंजीयन से संबंधित समस्त कार्यवाहियों हेतु प्रशिक्षण आयोजित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन के दौरान प्रवासी श्रमिकों के आने-जाने की जानकारी के साथ-साथ नियोजित ठेकेदार, नियोजित करने वाली कम्पनी एवं फैक्ट्री का विवरण भी दर्ज किया जाएगा, जिससे भुगतान संबंधी शिकायतों के निराकरण, महिला एवं बच्चों के टीकाकरण तथा गर्भवती महिलाओं की ट्रेकिंग में सुविधा होगी। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से फीडबैक भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने आगामी भगोरिया पर्व के दौरान टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड निर्माण, खाद्य विभाग से संबंधित ई-केवायसी, पोषण आहार वितरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं एएनसी चेकअप जैसी गतिविधियों को प्लानिंग के साथ संचालित करने हेतु विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा अंतर्गत लंबित मटेरियल भुगतान को माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

शासकीय महाविद्यालय कसरावद का विशेष ग्रामीण शिविर

एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्राम रेगवा में किया जागरूकता अभियान

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय कसरावद के एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम रेगवा में विशेष ग्रामीण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दूसरे दिन एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्राम में प्रभात फेरी निकालकर लोगों को जागरूक किया। जहां प्रभात फेरी में स्वयंसेवकों ने उठ जाग मुसाफिर भोर भयो गीत के साथ पूरे गांव में प्रभात फेरी और लोगों को जागरूक किया। इसके बाद प्राचीन राम मंदिर और हनुमान जी के मंदिर में भजन कीर्तन किया गया। प्रभात फेरी के बाद स्वयंसेवकों ने योग किया और शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल एवं मिडिल स्कूल प्रांगण की साफ-सफाई की। बौद्धिक सत्र में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से पधारे श्री सालकराम जी ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि एनएस एस एक अच्छा प्लेटफार्म है जो विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है और समाज सेवा के साथ अच्छा जीवन जीने की कला सिखाता है। उन्होंने स्वयं सेवकों को खेल भी करवाए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवक समाज सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेकर वे समाज को एक बेहतर दिशा देने का प्रयास करते हैं।

शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जानकारी दी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा हेतु जिले में बनाये गये 57 परीक्षा केन्द्र

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 10 फरवरी से प्रारंभ होने वाली हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा हेतु जिले में 57 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिनमें से 07 परीक्षा केन्द्र अतिसंवेदनशील केन्द्र है। हाईस्कूल की परीक्षा में 11156 परीक्षार्थी तथा हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में 8560 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार बनाये गये 57 परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों की रेण्डमाईजेशन के द्वारा नियुक्त की गई। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्रवार कलेक्टर प्रतिनिधियों की भी नियुक्ति की गई है। निरीक्षण हेतु 08 निरीक्षण दल का गठन कर 07 अतिसंवेदनशील परीक्षा (स्वाध्यायी परीक्षा केन्द्र) केन्द्रों पर प्रेक्षकों का चयन कर नियुक्ति की गई है। साथ ही परीक्षा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वानी में जिला स्तरीय परीक्षा कन्ट्रोल रूम बनाया गया है।

जिला प्रशासन ने ग्राम बड़ी में बड़ी कार्यवाही को दिया अंजाम

15 हेक्टेयर सरकारी जमीन हुई अतिक्रमण से मुक्त

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली तहसील के ग्राम बड़ी में प्रशासन की टीम ने 15 हेक्टेयर सरकारी जमीन हुई अतिक्रमण मुक्त

कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देश पर ग्राम बड़ी में अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही करते हुए कई सालों से कब्जा की गई सरकारी जमीन को जावद एसडीएम श्री मति प्रीति सँघवी और तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल , थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा राजस्व निरीक्षक बाल किशन धाकड़ , प्रकाश शुक्ला के साथ बड़ी संख्या में तैनात पुलिस बल द्वारा कार्यवाही को अंजाम देते हुए करीब 65 बीघा भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया।

राजस्व निरीक्षक बालकिशन धाकड़ ने बताया कि जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा किया हुआ था जिस पर वे चार दिवारी बनाकर कब्जा जमा रखा था । मौके पर स्थित जमीन पर अतिक्रमकों को कई बार नोटिस जारी करने के बाद भी कब्जा नही हटाया गया था। जिला प्रशासन की टीम ने सोमवार को दल बल के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया और भूमि को अतिक्रमण मुक्त की

एसडीएम ने दिया अल्टीमेटम - अतिक्रमण कार्यवाही के दौरान एक किसान ने सरकारी जमीन पर खड़ी फसल होने से जावद अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व)श्री मति सँघवी ने सहानुभूति बतौर उक्त किसान को 15 दिवस में अपनी फसल काटने के बाद सरकारी भूमि को खाली करने का अल्टीमेटम दिया

जिलाधिकारी ने सभी अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए लगातार कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए है ।

10 फरवरी को कृषि वर्ष के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में जायेंगे कृषि रथ

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। इसके अंतर्गत जिले के 07 विकासखण्डों की ग्राम पंचायतों में रूट चार्ट अनुसार कृषि रथ भ्रमण करेगा। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधिकरण, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, विभागीय योजनाएं, ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा पराली प्रबंधन से संबधित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

झांतला में धाकड़ समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन, सम्पन्न

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मितव्ययिता, व फिजूल खर्ची को रोककर समाज को जागरूक करना है

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ - सिंगोली धाकड़ समाज सामूहिक विवाह समिति के तत्वाधान में द्वितीय धाकड़ सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 फरवरी रविवार को भैरुनाथ की नगरी झांतला स्थित स्वामी विवेकानंद खेल मैदान पर बड़ी संख्या में स्वजाति बंधु व कई राज नेताओ की उपस्थिति में संपन्न हुआ। झांतला में स्वयंभू भेरू नाथ की पवित्र पावन धरा पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान 82 जोड़ो ने वैवाहिक बंधन में बंधकर एक दूसरे का हाथ थामा।

इस कार्यक्रम में श्री धाकड़ राष्ट्रीय युवा महासभा अध्यक्ष श्री अर्जुन जी धाकड़ सांसद सुधीर गुप्ता, राजगढ़ के सांसद रोडमल नागर, इंजीनियर कन्हैयालाल धाकड़ भीलवाड़ा, संत रामप्रिय दास जी महाराज थड़ोद, धाकड़,जन नेता राजकुमार अहीर ,प्रदेश कांग्रेस सचिव सत्यनारायण पाटीदार, धाकड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष, समंदर पटेल, कांग्रेस के सक्रिय नेता बाल किशन धाकड़ लाड़पुरा, हेमलता धाकड़ कंजार्डा , पूर्व विधायक चुन्नीलाल धाकड़ , शंभू लाल धाकड़ जिला पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सांसद प्रतिनिधि गोपाल धाकड़, दयाराम धाकड़, बद्री लाल धाकड़ कंजार्डा पूरणमल अहीर,पूर्व सरपंच एवं समाज सेवी बंशीलाल धाकड़ महुपुरा पुरण, मोतीलाल धाकड़, सहित अनेको अनेक अतिथियों ने मुख्य रूप से सामूहिक विवाह सम्मेलन पर अपने विचार रखते हुए कहा की,सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता मितव्ययिता फिजूल खर्ची सादगी समानता का संदेश देना है। यह आयोजन विवाह,में होने वाली फिजूल खर्ची और दिखावे को रोककर आर्थिक बोझ कम करने का प्रभावी माध्यम है। जो समाज को एकता और समानता के सूत्र में बांधती है। जो समाज में नवचेतना व जागृति का काम करेगा धाकड़ समाज किसान व देश का अन्नदाता है। समाज धीरे-धीरे रूढ़िवादिता व कुरीतियों को खत्म करके आगे बढ़ रहा है ऐसे आयोजनों से समाज में बाल विवाह पर भी लगाम लग रही है। आज समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

महंगाई के इस दौर में जहां एक और मध्यम व गरीब वर्ग देखा देखी में वैवाहिक समारोह में लाखों रुपए खर्च कर कर्ज में तले दबे जा रहा है।

आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में गायत्री परिवार द्वारा विवाह संपन्न करवाया गया वह कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर लोगों का मन मोह लिया

पूरे पंडाल को दुल्हन की तरह सजाया हुआ सावरा गया बड़े-बड़े होल्डिंग्स तोरण द्वार लाइटिंग , विशाल,पंडाल से लेकर पार्किंग पेयजल उक्त सम्मेलन को लेकर समाज जनों द्वारा समाज का तन मन धन से सहयोग रहा है। इस सम्मेलन में दोनों पार्टियों के जनप्रतिनिधियों सहित समाज के विभिन्न पदों पर पदासीन थे। आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के समस्त पदाधिकारीयो द्वारा , आगंतुक अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। बड़ी संख्या में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस एवं प्रशासनिक अमला , स्वास्थ्य अमला एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात रही। इस दौरान तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा आर आई पटवारी प्रकाश शुक्ला ,आरआई बाल किशन धाकड़ सहित समस्त प्रशासनिक अमला मीडिया सहित सभी समितियों व क्षेत्र वासी धाकड़ समाज आदि का सराहनीय सहयोग रहा है।

कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश धाकड़ ने किया तो आभार रतनगढ़ -सिंगोली धाकड़ समाज सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष छीतरमल धाकड़ ने व्यक्त किया

मनरेगा केवल योजना नहीं, गरीब का अधिकार है-मीनाक्षी नटराजन

जावद विधानसभा क्षेत्र में मनरेगा बचाओ चौपाल से केंद्र सरकार पर निशाना, पंचायत कांग्रेस कमेटी करेगी निगरानी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण रोजगार और मनरेगा के भविष्य को लेकर जावद विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को क्षेत्र के दौरे पर पहुंचीं पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन ने विभिन्न गांवों में आयोजित मनरेगा बचाओ चौपाल को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए काम के अधिकार की कानूनी गारंटी है, जिसे कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व सांसद सुश्री नटराजन ने अपने जावद विधानसभा क्षेत्र के दौरे की शुरुआत ग्राम रानपुर से की। यहां उन्होंने स्वर्गीय कंचन बाई मेघवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके बाद वे क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आयोजित मनरेगा बचाओ चौपाल कार्यक्रमों में शामिल हुईं। दौरे के मुख्य चरण में सुश्री नटराजन ग्राम गुजरखेड़ी, आम्बा चडोल (जाट क्षेत्र) और कोज्या पहुंचीं, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों, मनरेगा श्रमिकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। चौपालों के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और मनरेगा के तहत काम मिलने, मजदूरी भुगतान में देरी, कार्य दिवसों में कटौती और बढ़ते नियमों को लेकर उनकी समस्याएं सुनीं। सुश्री नटराजन ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए जीवनरेखा है। उन्होंने कहा, मनरेगा कोई भीख नहीं, बल्कि गरीब का अधिकार है। जब गांव के हाथों को काम मिलेगा, तभी गांव मजबूत होगा और देश आगे बढ़ेगा। लेकिन वर्तमान सरकार बजट में कटौती कर और नियमों को जटिल बनाकर इस अधिकार को खत्म करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि मशीनीकरण को बढ़ावा देकर मजदूरों से रोजगार छीना जा रहा है, जिससे गांवों में बेरोजगारी बढ़ रही है और लोग मजबूरी में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। पूर्व सांसद यह भी कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक उठाएगी और मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी।

बजट में कटौती कर गांवों को उजाड़ने की तैयारी- कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने भी चौपाल को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां आम आदमी के खिलाफ हैं। बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली सरकार गांव के मजदूर की मेहनत की मजदूरी तक समय पर नहीं दे पा रही है। जानबूझकर मनरेगा का बजट घटाया जा रहा है, ताकि ग्रामीण काम की तलाश में गांव छोड़ने को मजबूर हों। उन्होंने संगठनात्मक स्तर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि मनरेगा की निगरानी और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी प्रत्येक पंचायत में मनरेगा कार्यों की निगरानी करेगी और मजदूरों की शिकायतों को सीधे जिला स्तर तक पहुंचाएगी। इस दौरान पूर्व जनपद अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी समंदर पटेल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनमोहनसिंह (मन?नू बना) ब्लॉक अध्यक्ष जीतू बना, शंभु चारण व हिदायतुल?ला खान विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी नेताओं ने ग्रामीण रोजगार के मुद्दे पर एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। पूरे दौरे के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक, मनरेगा श्रमिक और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों ने एक स्वर में मनरेगा योजना को बचाने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आवाज उठाने का संकल्प लिया।

कांग्रेस जिला समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज जिला मुख्यालय शाजापुर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त ओर जिले के प्रभारी निर्मल मेहता की उपस्थिति में जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई द्य बैठक में मुख्य रूप से एसआईआर व ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के गठन व संगठन के अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री रामवीर सिंह सिकरवार, जिला अध्यक्ष नरेश्वर प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव श्रीमती रचना जैन, राजकुमार कराडा, जनपद अध्यक्ष शरद शिवहरे, भोजराज परमार, नरेश कप्तान, कमल चौधरी, आशुतोष शर्मा, इरशाद खान, सीताराम पवैया, अजीज मंसूरी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयंत सिकरवार, राजेश पारछे, कैलाश मटोलिया, स्मिता सोलंकी समस्त ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष गण, समस्त प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं समन्वय समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर राजस्व वसूली एवं फॉर्मर रजिस्ट्री पर दिया विशेष जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना ने कलेक्टर कार्यालय में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर राजस्व वसूली एवं राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व वसूली को प्राथमिकता पर लेते हुए इसे समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएँ, बकायदारों की सूची तैयार कर लक्षित कार्यवाही की जाए तथा पूर्व से लंबित प्रकरणों में शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिसे समय से पूर्ण करें। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समस्त लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने फॉर्मर रजिस्ट्री से संबंधित कार्यों की विशेष समीक्षा करते हुए सारा पोर्टल पर आधार एंट्री का कार्य शीघ्र एवं शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे कृषकों की जानकारी का एकीकृत एवं प्रामाणिक डाटाबेस तैयार होगा। इस कार्य को प्रभावी रूप से संपन्न कराने हेतु पटवारियों के ओरिएंटेशन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बैठक में व्यपवर्तन, रिकॉर्ड दुरुस्ती, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई-केवायसी एवं एनपीसीआई की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने भू-अर्जन एवं भूमि आवंटन से संबंधित लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी सतत रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण, राजस्व वसूली एवं फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्यों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने राजस्व शिविरों के आयोजन, एसडीएम द्वारा कैंप कार्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन तथा सेक्टोरल भ्रमण हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने गिरदावरी कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसे 28 फरवरी तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। इसके अतिरिक्त सर्वेयरों के मानदेय भुगतान को भी शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री महेश मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, समस्त तहसीलदार एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कौशल विकास, आईटीआई में प्रवेश, अप्रेंटिसशिप योजनाओं, प्लेसमेंट, रोजगार मेलों एवं विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि जिले के समस्त आईटीआई संस्थानों में संचालित 12 ट्रेड्स में कुल 720 सीटों की स्वीकृति का प्रस्ताव समिति के सम्मुख रखा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे ट्रेड्स एवं कौशल विकास पाठ्यक्रमों की पहचान कर उनके प्रस्ताव तैयार किए जाएँ, जिनके माध्यम से जिले में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव तैयार करते समय जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय संसाधनों, बाजार की मांग एवं युवाओं की रुचि को ध्यान में रखा जाए, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात युवाओं को अपने ही क्षेत्र में स्वरोजगार अथवा रोजगार उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शीघ्र ठोस एवं व्यवहारिक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राष्टीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, पीएम इंटर्नशिप योजना एवं मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत विभिन्न कंपनियों में आईटीआई विद्यार्थियों की अप्रेंटिसशिप संख्या कम होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कौशल विकास योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने, कंपनियों के ओरिएंटेशन हेतु वर्कशॉप आयोजित करने तथा अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाने के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में इस वर्ष आयोजित 11 रोजगार मेलों के माध्यम से 430 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया है। कलेक्टर ने रोजगार मेलों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जिले में प्लेसमेंट की स्थिति, विभिन्न कंपनियों के साथ एमओयू हस्ताक्षर तथा सीएसआर मद से प्राप्त सुविधाओं की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ, थांदला एवं मेघनगर, डिप्टी कलेक्टर्स, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के सभी छूटे हुए 410 आंगनवाड़ी परिसरों और सभी शाला भवनों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए- श्री चंद्रा

प्रस्तावित नवीन सड़कों के निर्माण पूर्व, जल निगम की बिछाई गई पाईप लाईनें अन्यत्र शिफ्ट करवाए-कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में नल कनेक्शन से शेष रहे सभी 410 आंगनवाड़ी परिसरों और सभी शाला परिसरों में गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना की नल पाईप लाईन से नल कनेक्शन उपलब्ध करवाकर जलापूर्ति सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक में जल प्रदाय कार्यो की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल निगम के महाप्रबंधक को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जल निगम महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र बिजोरिया, कार्यपालन यंत्री लोक स्वा.यांत्रिकी विभाग श्री दीपेश वास्पत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में लोक निर्माण कार्यपालन यंत्री श्री अमित नार्गेश ने अवगत कराया, कि जिले में रतनगढ, जाट, ग्वालियरकला राजस्थान सीमा तक 41 कि.मी., जावद से मोरवन 16.5 कि.मी., नीमच चीताखेड़ा, जीरन से मल्हारगढ़ तक 36.6 कि.मी., एवं 31.4 कि.मी.आंत्री माताजी से भादवामाता सड़क का निर्माण कार्य इसी माह अंत तक अनुबंध किया जाकर प्रारंभ किया जा रहा है। इन सड़कों के निर्माण कार्य प्रारंभ होने के पूर्व यदि जल निगम द्वारा प्रस्तावित सड़कों के शोल्डर्स पर पाईप लाईन बिछाई है, तो उन्हें शिफ्ट करवाए, जिससे, कि वे सड़क निर्माण कार्य दौरान क्षतिग्रस्त ना हो। इस पर कलेक्टर श्री चंद्रा ने जल निगम के महाप्रबंधक को निर्देश दिए, कि वे नवीन प्रस्तावित सड़कों के नीचे पूर्व में बिछाई गई पाईप लाईन को अन्यत्र शिफ्ट करवाए, जिससे, कि सड़क निर्माण कार्य प्रभावित ना हो और पेयजल पाईप लाईन को भी कोई नुकसान ना हो। कलेक्टर ने जल निगम को रोड़ रेस्ट्रोरेशन का कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने और तेजी से पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होने जल निगम को सभी घरों के बाहर दिए गये नीले पाईप के माध्यम से नल कनेक्शनों को ठीक करवाकर घरों पर पाईट एवं टोटी स्थापित कर नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा, कि घरो के बाहर खुले में नीले पाईप नहीं दिखना चाहिए। जल निगम महाप्रबंधक ने अवगत कराया, कि गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना का 93 प्रतिशत कार्य भौतिक रूप से पूर्ण हो गया है।

इस योजना से न.प.जीरन, रतनगढ, अठाना, सरवानिया महाराज, सिंगोली एवं कुकडेश्वर को जल निगम द्वारा बल्क में शुद्ध जल उपलब्ध कराया जावेगा। कलेक्टर ने अन्य नगर परिषदों से भी मांग पत्र लेकर उन्हें भी आवश्यकतानुसार बल्क में शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में लो.स्वा.या.विभाग द्वारा जिले में संचालित 127 गांवों की एकल जल प्रदाय योजनाओं से जल प्रदाय की भी समीक्षा की गई और विभिन्न कारणों से बंद आठ एक नल जल योजनाओं को दुरस्त करवाकर शीघ्र जल प्रदाय प्रारंभ करवाने के निर्देश भी मेकेनिकल उपखण्ड लो.स्वा.या.वि.एवं जल निगम के अधिकारियों को दिए गए।

भ्रष्टाचार और प्रताड़ना से टूटे हेड कॉन्स्टेबल ने मौत को लगाया गले, 4 पन्नों के सुसाइड नोट ने पुलिस लाइन का कच्चा-चिट्ठा खोला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच पुलिस लाइन से सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस विभाग के भीतर चल रहे कथित भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर पुलिस लाइन में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल होशियार सिंह (50) ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत से पहले उन्होंने चार पन्नों का सुसाइड नोट लिखा, जिसमें पुलिस लाइन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं।

घटना रविवार दोपहर की बताई जा रही है। जहर खाने के बाद भी होशियार सिंह हिम्मत जुटाकर खुद कंट्रोल रूम पहुंचे और वहां मौजूद स्टाफ को जहर खाने की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत लगातार बिगड़ती गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

सुसाइड नोट में फूटा दर्द, सिस्टम पर लगाए गंभीर आरोप-मौत से पहले लिखे गए चार पन्नों के

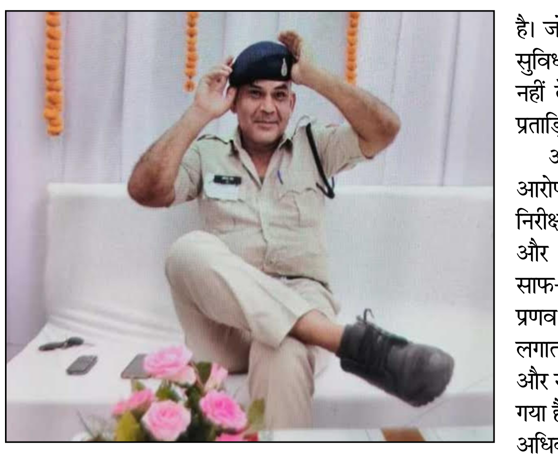

सुसाइड नोट में होशियार सिंह ने बेहद पीड़ा भरे शब्दों में लिखा है कि नीमच पुलिस लाइन में ईमानदारी से नौकरी करना लगभग असंभव हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लाइन में ड्यूटी, रोजनामचा और तैनाती जैसे काम भी बिना पैसे दिए नहीं होते।नोट में लिखा गया है कि पुलिस लाइन में सब कुछ बिक रहा है। जो कर्मचारी पैसे देता है, उसे अच्छी और सुविधाजनक ड्यूटी मिलती है, जबकि जो पैसे नहीं देता, उसे जानबूझकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

आरआई और हेड कॉन्स्टेबल पर सीधा आरोप-सुसाइड नोट में होशियार सिंह ने रक्षित निरीक्षक (आरआई) विक्रम सिंह भदौरिया और हेड कॉन्स्टेबल प्रणव तिवारी के नाम साफ-साफ लिखे हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रणव तिवारी कर्मचारियों से पैसे लेकर ड्यूटी लगाता है और यह सब आरआई की जानकारी और संरक्षण में चलता है।नोट में यह भी लिखा गया है कि विरोध करने पर कर्मचारियों को बड़े अधिकारियों के नाम से डराया जाता था और कहा जाता था कि ऊपर तक सब सेट है, कोई कुछ नहीं कर सकता।

ट्रेजरी गार्ड ड्यूटी में हजारों की वसूली का आरोप- सुसाइड नोट में ट्रेजरी गार्ड और पुलिस लाइन की ड्यूटी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। होशियार सिंह ने लिखा है कि इन ड्यूटियों के लिए कर्मचारियों से 5 हजार से लेकर 10 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जाती है।उन्होंने मांग की है कि इन नियुक्तियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि यह सामने आ सके कि किन-किन कर्मचारियों से कितनी राशि वसूली गई।

पुलिस को इतना मत बेचो कि ईमानदार आदमी नौकरी ही न कर पाए- नोट में लिखी गई पंक्तियां सिस्टम पर करारा प्रहार करती हैं। होशियार सिंह ने लिखा है– महोदय, पुलिस को इतना भी मत बेचो कि एक ईमानदार आदमी नौकरी ही न कर पाए। मैं बहुत थक चुका हूं और टूट चुका हूं। उन्होंने यह भी लिखा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई।

डीजीपी, डीआईजी और से लगाई आखिरी गुहार- सुसाइड नोट में होशियार सिंह ने डीजीपी, डीआईजी और एसपी से अपील करते हुए लिखा है कि यदि पुलिस विभाग में यही हालात रहेंगे, तो ईमानदार कर्मचारियों के पास आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।उन्होंने लिखा कि उनकी मौत के बाद भी अगर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होती है, तो पुलिस लाइन में चल रहा पूरा खेल सामने आ सकता है।

पांच दिन से छुट्टी पर थे, सोमवार को जॉइन करनी थी ड्यूटी - परिजनों के अनुसार होशियार सिंह पिछले पांच दिनों से छुट्टी पर थे और सोमवार को उन्हें वापस ड्यूटी जॉइन करनी थी, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। परिजनों का कहना है कि वे काफी समय से मानसिक तनाव में थे।

महकमे में हड़कंप, जांच की बात- इस घटना के सामने आने के बाद नीमच पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सुसाइड नोट वायरल होने के बाद मामले को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल पुलिस विभाग की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है।वहीं आम जनता के बीच इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वही सवाल यह भी की जिले में लंबे समय से पुलिस अधिकारियों की पद स्थापना है जिनकी तबादला भीनहीं हो रहे इसके चलते लंबे समय पुलिस व्यवस्था बिगड़ी हुई है।

एमपी में होगा 'जहर मुक्त खेती' का सबसे बड़ा महायज्ञ

जावद में 28 मार्च से जुटेंगे देशभर के किसान

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय कृषि के इतिहास में ये संभवतः पहला अवसर है, जब देश का कोई जनप्रतिनिधि किसानों को आत्मनिर्भर और खेती को जहर मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इतना बड़ा बीड़ा उठा रहा है। रासायनिक खाद के बोझ और कर्ज के चक्रव्यूह में फंसे अन्नदाता को उबारने के लिए मध्य प्रदेश के नीमच जिले की जावद तहसील, देशव्यापी बदलाव का केंद्र बिंदु बनने जा रही है। पूर्व मंत्री और क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा की अनूठी पहल पर 28 से 31 मार्च 2026 तक जावद में 04 दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती शिविर का आयोजन होने जा रहा है।

इस महासंगम में कृषि ऋषि कहे जाने वाले पद्मश्री डॉ. सुभाष पालेकर स्वयं मौजूद रहेंगे। वे कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के कोने-कोने से आने वाले किसानों को ये समझाएंगे कि, कैसे बाजार के फंदे से निकलकर स्वाभिमान की खेती की जा सकती है। शिविर का मूल मंत्र ये है कि, एक किसान को अपनी खेती के लिए बाजार से एक रुपए की भी खाद या कीटनाशक खरीदने की जरूरत नहीं है। डॉ. पालेकर बताएंगे कि, सिर्फ एक देसी गोमाता के सहारे 10 से 15 एकड़ जमीन पर शून्य लागत (जीरो बजट) में भरपूर और विषमुक्त फसल कैसे की जा सकती है।

संसाधन आड़े न आएं, इसलिए विधायक ने की ठहरने-खाने की चिंता- अक्सर आर्थिक तंगी और संसाधनों का अभाव किसानों को ऐसे ज्ञानवर्धक आयोजनों से दूर कर देता है। इस पीड़ा को समझते हुए विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने एक मिसाल पेश की है। देश में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में भाग लेने वाले प्रत्येक किसान के लिए आवास, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है।

विधायक का आह्वान- मिट्टी और पीढ़ियों को बचाने का ये अंतिम अवसर- इस ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार विधायक ओमप्रकाश सखलेचा का कहना है कि जावद अब देशभर के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती का तीर्थ बनने जा रहा है। ये शिविर उन किसानों के लिए है, जो कर्ज और रसायनों के चक्रव्यूह से बाहर निकलना चाहते हैं। जो अपनी मिट्टी, अपने पानी और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं। जावद में होने जा रहा ये आयोजन किसान के आत्मसम्मान, स्वास्थ्य और समृद्धि की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। आयोजकों ने बताया कि, ये मॉडल किसानों की लागत घटाकर और आय बढ़ाकर खेती में नई उम्मीद जगाएगा।

निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की समीक्षा हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा हेतु आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना वीसी के माध्यम से जुड़े।

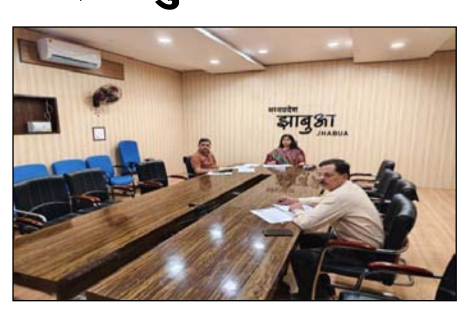

वीडियो कॉन्फ्रेंस में निर्वाचन नामावली से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 के निराकरण की स्थिति, फॉर्म-7 के माध्यम से विलोपित किए गए नामों के संबंध में आवश्यक परीक्षण तथा श्वष्टद्ध हृद्गह्ल प्रणाली के माध्यम से जनरेट किए गए नोटिसों की वस्तुस्थिति पर चर्चा की गई।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्वाचन नामावली का कार्य पूरी पारदर्शिता, समयबद्धता एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पात्र मतदाताओं के नाम किसी भी स्थिति में न छूटें तथा अपात्र प्रविष्टियों का विधिसम्मत निराकरण किया जाए।

प्रधानाचार्य शासकीय धन्वन्तरी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/स्टोर/2022/351 उज्जैन दिनांक 09/02/2026

संक्षिप्त नीलामी विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय मंगलनाथ रोड, उज्जैन में निम्नलिखित कार्य हेतु संक्षिप्त विज्ञप्ति।

क्रं.	कार्य का विवरण	पुराने छात्रावास की ऑफसेट वेल्यू	धरोहर राशि (रूपये)	नीलामी का समय/ दिनांक
1.	शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय, मंगलनाथ मार्ग, उज्जैन का पुराना बालक छात्रावास भवन को डिसमेंटल कर भूमि का समतलीकरण	1,00,000/- अक्षरी -एक लाख रू. मात्र	10,000/- अक्षरी -दस हजार रू. मात्र	18/02/2026 को प्रातः 10:00 बजे
2.	संस्था को पुराने कबाड़ की नीलामी (लकड़ी एवं लोहे का फर्नीचर, प्लास्टिक सामग्री सहित)	50,000/- अक्षरी -पचास हजार रू. मात्र	5,000/- अक्षरी -पांच हजार रू. मात्र	18/02/2026 को प्रातः 10:00 बजे

1. निविदा प्रपत्र विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 16.02.2026 तक कार्यालय समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक प्राप्त की जा सकेगी। दोनों कार्यों की पृथक - पृथक निविदा प्रपत्र हेतु मूल्य रू. 500/- महाविद्यालय के स्टोर कक्ष में नगद राशि जमा कर निविदा प्रपत्र एवं नियम शर्तें प्राप्त की जा सकती है।
2. इच्छुक निविदाकार कार्यालयीन समय में भवन एवं कबाड़ सामग्री का अवलोकन कर सकते है।

डॉ. जे.पी. चौरसिया, प्रधानाचार्य , शास. धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.) मो. नं. 9893169434

राष्ट्रीय स्तर की सोलो साइकिलिस्ट आशा मालवीय का कलेक्टर ने किया स्वागत-अभिनंदन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की निवासी एवं राष्ट्रीय स्तर की सोलो साइकिलिस्ट आशा मालवीय का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आशा मालवीय वर्तमान में भारत के पश्चिम से पूर्व तक साइकिल से यात्रा करने के साहसिक एवं प्रेरणादायक अभियान पर निकली हुई हैं।

यह साइकिल यात्रा कुल लगभग 7,800 किलोमीटर की है, जिसकी शुरुआत 11 जनवरी को जयपुर (राजस्थान) से हुई है तथा यह यात्रा भारत के पूर्वी छोर किबिथू (अरुणाचल प्रदेश) तक पूर्ण की जाएगी। आशा मालवीय द्वारा अब तक लगभग 2400 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की जा चुकी है।

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य नारी सशक्तिकरण, राष्ट्रप्रेम, अदम्य साहस, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय संदेशों को जन-जन तक पहुँचाना है। उल्लेखनीय है कि आशा मालवीय अब तक लगभग 60,000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूर्ण कर चुकी हैं, जिसमें कन्याकुमारी से सियाचिन तक की अत्यंत कठिन एवं चुनौतीपूर्ण यात्रा भी शामिल है। इस अवसर पर आशा मालवीय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह यात्रा केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं, बल्कि महिलाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, आत्मविश्वास विकसित करने तथा प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन सहित प्रदेश के 52 जिलों में जनगणना की तैयारी शुरू

अप्रैल से होगी मकानों की डिजिटल गणना, 25 दिसंबर से जिले की प्रशासनिक सीमाएं हो चुकी है सीज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन सहित मध्यप्रदेश के सभी 52 जिलों की प्रशासनिक सीमाओं को 31 दिसंबर 2025 से फ्रीज कर दिया गया है। इसके चलते अब जनगणना-2027 की प्रक्रिया पूरी होने तक प्रदेश में कोई नया जिला, उपखंड या तहसील नहीं बनाई जा सकेगी। केंद्र सरकार की अधिसूचना के बाद सभी राज्यों में जनगणना की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी का गठन कर दिया है।

उज्जैन जिले में भी जनगणना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिलास्तरीय जनगणना समिति गठित कर दी गई है और चार मास्टर ट्रेनरों की नियुक्ति की गई है। इन्हें भोपाल में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद जिलेभर में अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर फील्ड में उतारा जाएगा।

1 अप्रैल से शुरू होगी मकानों की गणना, 2027 में होगी आबादी की गिनती - केंद्र सरकार के निर्देशानुसार जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी। पहले चरण में 1 अप्रैल 2026 से उज्जैन जिले में मकानों की गणना शुरू होगी। इसके बाद दूसरे चरण में 1 फरवरी 2027 से आबादी की गणना की जाएगी। इस बार पूरी जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी, जिसमें प्रदेशभर में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। शहरी क्षेत्र में जनगणना की जिम्मेदारी नगर निगम आयुक्त को सौंपी गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत सीईओ इस कार्य को देखेंगे। जनगणना के दौरान नगर निगम के संपत्ति कर रिकॉर्ड, बिजली कंपनी के कनेक्शन, व्यापारिक लाइसेंस और अन्य शासकीय डाटा से आंकड़ों का मिलान भी किया जाएगा।

15 साल बाद हो रही जनगणना, उज्जैन की आबादी 25 लाख पार करने का अनुमान - उल्लेखनीय है कि देश में पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। उस समय उज्जैन जिले में लगभग साढ़े ढाई लाख मकान दर्ज किए गए थे और जनसंख्या करीब 19 लाख आंकी गई थी। धर्मवार आंकड़ों के अनुसार उस समय जिले में 83.26 प्रतिशत हिंदू, 12.67 प्रतिशत मुस्लिम और शेष अन्य वर्गों की आबादी थी। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि जिले की आबादी 25 लाख से अधिक हो सकती है और मकानों की संख्या साढ़े चार लाख के पार पहुंच सकती है। पिछले पांच वर्षों में उज्जैन का तेजी से शहरी विस्तार हुआ है। उज्जैन-इंदौर रोड, देवास रोड, बड़नगर रोड, आगर रोड, मक्सी रोड और चिंतामण बायपास क्षेत्र में नई कॉलोनियां, टाउनशिप और बस्तियां विकसित हुई हैं।

मोबाइल एप से होगी गणना, स्व-गणना का भी मिलेगा विकल्प - इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। गणनाकर्मी मोबाइल एप के माध्यम से घर-घर जाकर डाटा एकत्रित करेंगे। साथ ही नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी मिलेगा, जिसके तहत लोग ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली थी। इसके बाद मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें आधा दर्जन अतिरिक्त मुख्य सचिव, तीन प्रमुख सचिव और 15 अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए गए हैं।

जनगणना-2027 के मुख्य बिंदु

-31 दिसंबर 2025 से जिले, तहसील और उपखंड की सीमाएं फ्रीज

-1 अप्रैल 2026 से मकानों की गणना शुरू

-1 फरवरी 2027 से आबादी की गणना

-पूरी तरह डिजिटल जनगणना, मोबाइल एप से डाटा संग्रह

-प्रदेशभर में 1.5 लाख से अधिक कर्मचारियों की तैनाती

-संपत्ति कर, बिजली कनेक्शन व अन्य रिकॉर्ड से होगा डाटा मिलान

-उज्जैन में कलेक्टर अध्यक्षता में जिलास्तरीय जनगणना समिति गठित

आंखों में मिर्ची डाल महिला पर एसिड अटैक का प्रयास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढांचा भवन में महिला पर एसिड अटैक का प्रयास किया गया। महिला बच गई लेकिन एसिड़ की दुर्गंध से उसकी हालत बिगड़ गई थी। जिसे उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती किया गया। एसिड अटैक से पहले उसकी आंखों में मिर्ची डाली गई थी। ढांचा भवन में रहने वाली रूकमा पति स्व. मेहरबानसिंह 45 साल को शाम 6 बजे के लगभग रिश्तेदार जसवंतसिंह अस्पताल लेकर पहुंचा था। उसने डॉक्टरों को बताया कि रूकमा पर रिश्ते में लगने वाली 2 महिलाओं ने एसिड़ फेंकने का प्रयास किया। दोनों दवाई की शीशी में एसिड भरकर लाई थी। एसिड डालने से पहले आंखों में मिर्ची झोंकी गई है। घटनाक्रम के बाद वह रूकमा को लेकर चिमनगंज थाने पहुंचा, एसिड़ स्वेटर पर गिरा था। लेकिन दुर्गंध से हालत बिगड़ गई। पुलिस ने रूकमा को उल्टियां करते देखा तो पहले उपचार के लिये अस्पताल भेजा है। मामले में थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला बच गई है, एसिड टायलेट साफ करने का हो सकता है। उसके बयान दर्ज किये जायेगे। मामला आपसी लेनदेन का सामने आ रहा है घटना को अंजाम देने वाली मां बेटी होना सामने आई है, जो पीड़िता की ही रिश्तेदार है।

शादी के 10 माह बाद विवाहिता ने खाया जहरीला पदार्थ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी के 10 माह बाद विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिवार ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, रात में नवविवाहिता की मौत हो गई। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू की गई है।

आगर के ग्राम खेकरिया में रहने वाली भावना पति अंबाराम 20 वर्ष को परिजन शुक्रवार शाम उपचार के लिए उज्जैन लेकर पहुंचे थे। जहरीला पदार्थ खाया था उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। 2 दिन चले उपचार के बाद रविवार सोमवार रात भावना की मौत हो गई। सोमवार सुबह पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान परिजनों ने बताया की भावना का मायका ग्राम बिरियाखेड़ी मकड़ोन में था। 10 माह पहले ही शादी हुई थी पति की तनोडिया में मोबाइल की दुकान है, शुक्रवार को भावना ने पति को फोन लगाकर बताया कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। परिजनों का कहना था कि भावना के पिता हरि नारायण की तबीयत ठीक नहीं थी जिसके चलते वह तनाव में रहने लगी थी, संभवत इसी के चलते उसने जहरीला पदार्थ खाया था। घर में कोई वाद विवाद भी नहीं था ना ही भावना को कोई परेशानी थी। मायके पक्ष ने भी ऐसा कोई गंभीर आरोप ससुराल पक्ष पर नहीं लगाया है। फिलहाल पुलिस ने मामले में जांच की बात कही, मृतका भावना नव विवाहित थी जिसके चलते राजपत्रित अधिकारी द्वारा परिजनों के बयान लिए जाएंगे और जांच की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह समयावधि पत्रों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 11 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रमों के संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना की जानकारी देकर जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट ने बताया कि उक्त योजनाओं में सिर्फ उम्र ही क्राइटेरिया है और उक्त योजनाओं का फायदा अन्य बीमा योजनाओं के साथ मिलेगा। इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा और अन्य अधिकारियों द्वारा उक्त बीमा योजनाओं का आवेदन भरकर सभी से उक्त योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। बैठक में रबी उपार्जन पंजीयन पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में महाशिवरात्रि पर्व संबंधित तैयारियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए।महाशिवरात्रि पर्व के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर के आस पास के क्षेत्र में स्थित विद्यालयों के छात्रों की 13 से 17 फरवरी तक परीक्षा रहेगी उनके आवागमन के लिए विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महाशिवरात्रि पर्व पर जिले के अन्य महत्वपूर्ण शिवालयों की व्यवस्था के लिए भी आवश्यक ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बोर्ड परीक्षाओं के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए गए। बैठक में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि 61,850 आवेदनों को निराकृत किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों का निराकरण भी समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत दूसरे चरण में क्लस्टर स्तरीय शिविर लगाए जाएंगे। बैठक में जानकारी दी गई कि क्लस्टर शिविरों में अधिकारियों कि ड्यूटी लगाकर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। बैठक में कृषि कल्याण वर्ष की आवश्यक तैयारियों के सम्बन्ध में संबंधित विभागों द्वारा जानकारी दी गई।

वैलेंटाइन डे पर उज्जैन में सख्त रहेगा पुलिस पहरा, पार्कों से लेकर कैफे तक बढ़ी निगरानी

सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त बल तैनात, हुड़दंग और शांति भंग करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वैलेंटाइन डे को लेकर उज्जैन पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। 14 फरवरी को शहर के पब्लिक पार्कों, मॉल्स, कैफे और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने अभी से गश्त बढ़ा दी है, ताकि किसी भी तरह की अराजकता या शांति भंग करने की घटना न हो।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक वैलेंटाइन डे पर अक्सर सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ बढ़ जाती है। इसी को देखते हुए सभी थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। शहर के प्रमुख पार्कों, विशेष रूप से मयूर वन सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की नजर बनी रहेगी। प्रेमी जोड़ों के लिए वैलेंटाइन डे खास दिन माना जाता है और इसी कारण इस सप्ताह पार्कों और घूमने की जगहों पर आम दिनों की तुलना में ज्यादा आवाजाही रहती है। हालांकि पुलिस की सख्त निगरानी के चलते इन दिनों पब्लिक पार्कों में भीड़ अपेक्षाकृत कम नजर आ रही है। यह स्थिति 14 फरवरी तक बने रहने की संभावना है। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी प्रकार की शरारत, हुड़दंग या गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वैलेंटाइन डे के दिन शहर के सभी थानों के प्रभारी अपनी-अपनी टीम के साथ पूरे दिन निगरानी करेंगे। यदि कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था बिगाड़ते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि इन सुरक्षा इंतजामों का उद्देश्य शांति और सौहार्द बनाए रखना है, ताकि आम नागरिक बिना किसी परेशानी के अपने दिनचर्या के काम कर सकें।

कार-बाइक भिड़ंत में पति की मौत, पत्नी घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार-बाइक भिड़ंत में सोमवार सुबह पति की मौत हो गई और पत्नी गंभीर रूप से घायल हुई है। जिसे उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। मृतक पति का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा है।

माधवनगर थाना पुलिस ने बताया राघवी के ग्राम बेलखेड़ा में रहने वाले अशोक पिता लक्ष्मीनारायण शर्मा 40 साल और उसकी पत्नी को गंभीर हालत में परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों ने अशोक को मृत्यु घोषित कर दिया। पत्नी की हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया है। निजी अस्पताल से मिली सूचना के बाद मामले में मर्ग कायम कर अशोक शर्मा का पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान सामने आया कि बाइक पर सवार अशोक शर्मा और उनकी पत्नी शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे उसी दौरान कार ने टक्कर मार दी थी। माधव नगर पुलिस के अनुसार दुर्घटना स्थल रघवी थाना क्षेत्र का होने पर मर्ग डायरी जांच के लिए भेजी जाएगी।

घायल की 8 दिन बाद हुई मौत- राघवी थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा खजुरिया और महिदपुर के बीच 30 जनवरी को हुई दुर्घटना में कनीराम पिता तेजाराम 28 वर्ष निवासी खुरचुनिया प्रताप महिदपुर गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज में चल रहा था सोमवार तड़के उसकी मौत होने पर चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया।

हर मंडल पदाधिकारी को 8 लाख जुटाने का लक्ष्य

उज्जैन के 12 मंडलों से 96 लाख की वसूली, भाजपा ने आजीवन सहयोग निधि को बनाया टारगेट आधारित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी ने इस वर्ष आजीवन सहयोग निधि अभियान को पूरी तरह टारगेट आधारित बना दिया है। उज्जैन जिले के 12 संगठनात्मक मंडलों को प्रत्येक मंडल से 8-8 लाख रुपए जुटाने का लक्ष्य दिया गया है। इस तरह जिले से कुल 96 लाख रुपए की राशि एकत्र की जाएगी। इस संबंध में तीन दिन पूर्व लोकशक्ति कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें अभियान की रणनीति और नियमों को स्पष्ट किया गया।

बैठक में मंडल पदाधिकारियों को साफ शब्दों में निर्देश दिए गए कि लक्ष्य पूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और अभियान को तय समयसीमा में पूरा किया जाए। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि इस बार राशि संग्रहण में पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाएगा।

पैन कार्ड अनिवार्य, नकद पर लगी सीमा- भाजपा संगठन ने सहयोग निधि के नियमों में सख्ती करते हुए स्पष्ट किया है कि 20 हजार रुपए से अधिक की सहयोग राशि देने वाले दानदाता का पैन कार्ड लेना अनिवार्य होगा। 5 हजार रुपए से अधिक की राशि नकद स्वीकार नहीं की जाएगी।

5 हजार से ऊपर की राशि केवल चेक, ऑनलाइन ट्रांसफर या अन्य बैंकिंग माध्यमों से ही ली जाएगी। पार्टी का कहना है कि यह व्यवस्था आयकर नियमों और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

11 फरवरी से शुरू होगा अभियान - भाजपा प्रदेश संगठन इस वर्ष भी 11 फरवरी को पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर आजीवन सहयोग निधि अभियान की शुरुआत करेगा। यह अभियान करीब दो महीने तक चलेगा। प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की जा रही है, जो अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करेंगे।

जिले की ताकत के हिसाब से तय हुआ लक्ष्य - प्रदेश भाजपा ने प्रत्येक जिले के संगठनात्मक ढांचे, गतिविधियों और वार्षिक खर्च के अनुमान के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किए हैं। जिन जिलों में संगठन बड़ा है और गतिविधियां अधिक हैं, वहां लक्ष्य भी उसी अनुपात में अधिक रखा गया है। उज्जैन को मिले 96 लाख के लक्ष्य को संगठन की क्षमता के अनुरूप बताया जा रहा है।

यहां होगा सहयोग निधि का उपयोग- भाजपा संगठन ने स्पष्ट किया है कि आजीवन सहयोग निधि से जुटाई गई राशि का उपयोग

जिला कार्यालयों के संचालन, संगठन विस्तार, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, बैठकें और नियमित प्रशासनिक खर्च, कार्यकर्ताओं के प्रवास और संगठनात्मक गतिविधियों पर किया जाएगा।

अभियान के लिए जिलों में प्रभारी, सह-प्रभारी और सदस्यों की टीमें बनाई गई हैं, जो दानदाताओं से संपर्क करेंगी। हर दानदाता को रसीद देना अनिवार्य होगा और पूरी राशि का लेखा-जोखा पार्टी के रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। नियमों के अनुसार 5 हजार रुपए तक की राशि नकद या कूपन के माध्यम से ली जा सकेगी।

सीसीटीवी से और फ्लाइंग स्क्वाड रखेगी परीक्षा की गतिविधियों पर नजर - कलेक्टर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आज से माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो गई हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता रखने के लिए सीसीटीवी से सभी स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही हैं। पेपर से सम्बंधित प्रक्रिया की संपूर्ण समय वीडियोग्राफी भी की जा रही हैं। साथ ही जिले के परीक्षा केंद्रों पर फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा सतत् चेकिंग की जा रही हैं। डीईओ श्री महेंद्र खत्री ने बताया कि परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था कलेक्टर श्री सिंह के नेतृत्व में की गई है। सभी केंद्रों पर केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए गए है। सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षण कार्य करने वाले कर्मचारियों को बीईओ के माध्यम से नियुक्त कर दिया गया है। परीक्षा व्यवस्थित संचालित हो इसके लिए 10 निरीक्षण दल बनाए गए है। कुल 10 अतिसंवेदनशील केंद्र पर पृथक से प्रेक्षक भी नियुक्त कर दिए गए हैं। कुल 77 परीक्षा केंद्र पर पुलिस गार्ड भी पुलिस विभाग द्वारा नियुक्त किए गए है।

बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम विशेष अभियान

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में उज्जैन जिले में बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान चलाया जा रहा है। बाल भिक्षावृत्ति अभियान के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई उज्जैन की संयुक्त टीम द्वारा शहर के प्रमुख सिग्नल चौराहों पर भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान टीम को परिजनों द्वारा बताया गया कि वह राजस्थान से आए है और उनके द्वारा खिलौने बेचने एवं सफाई वाईपर बेचने का कार्य किया जाता है। टीम द्वारा परिजनों को समझाईश दी गई कि वह सिग्नल चौराहे पर खिलौने बेचने एवं सफाई वाईपर बेचने कार्य नहीं करें और बालक / बालिकाओं को सिग्नल चौराहे पर अपने साथ लेकर नहीं घूमने की समझाईश दी गई। टीम द्वारा उन्?हें यह बताया गया कि यदि वे बालक / बालिकाओं से भिक्षावृत्ति करवाते पाए जाते है तो किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा - 76 के तहत जो कोई भीख मांगने के प्रयोजन के लिए बालक/बालिका को नियोजित करता है या किसी बालक से भीख मंगवाता है उसे कारावास जिसकी अवधि पाँच वर्ष तक की हो सकेगी और एक लाख रुपए के जुर्माने से दंडित करने की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

जीआरपी थाने में पिछले एक दशक में 100 से अधिक लोगों के गुम होने की शिकायतें

कई मामलों में पता नहीं चल पाया कि लोग लापता हुए या फिर उनका अपहरण हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग गुम हुए और जीआरपी द्वारा प्रकरण दर्ज किया गया। कई मामलों में लापता लोग नहीं मिल सके।

जीआरपी पुलिस रिकार्ड में तो यह लोग सिर्फ गुम मिसिंग होना ही दर्शाए गए हैं, लेकिन कई परिवार ऐसे हैं जिनका मानना है कि उनके बेटा या बेटी का अपहरण हुआ है। किसी परिवार का इकलौता सहारा छिना तो किसी के आंगन की किलकारियाँ खो गईं। उज्जैन जीआरपी पुलिस में दर्ज आंकड़ों के अनुसार पिछले बारह साल में कुल 100 से ज्यादा लोग गुम हो चुके हैं। इसमें बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सभी शामिल हैं। सबसे ज्यादा लोग वर्ष सिंहस्थ 2016 में 20 लोग मिसिंग हुए थे। वहीं साल 2014 में 11 लोग गुम हुए हैं। साल 2024 में एक जनवरी 2024 से लेकर 31 दिसंबर तक 9 लोग गुम हुए हैं। वहीं साल 2025 में करीब 4 लोग लापता हो चुके हैं। सुरक्षा के लिहाज से यह आंकड़ा चिंताजनक हैं। राहत की बात यह है कि - इनमें से कुछ लोग मिल भी गए हैं। इनके अलावा बच्चों की गुमशुदगी के कई ऐसे मामले हैं, जो जीआरपी थाने में दर्ज हैं। ट्रेनों में सफर करते करते या रेलवे स्टेशन पर किसी का बेटा तो किसी की बेटी गुम हो गए और जो आज तक लौटकर नहीं आए।

हालांकि कुछ मामलों में पुलिस ने बच्चे ढूंढ निकाले। इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस गुमशुदा लोगों की तलाश में लगातार अभियान चलाती रहती है। आगे भी अभियान चलाकर लोगों को बरामद किया जाएगा।

जीआरपी के आंकड़ों पर एक नजर

वर्ष	संख्या (गुम लोग)
2014	11
2015	10
2016	20
2017	10
2018	06
2019	10
2020	01
2021	06
2022	07
2023	10
2024	09
2025	04

योगेश्वर टेकरी पर दो मकान में लगी भीषण आग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्य समाज मार्ग पर बनी योगेश्वर टेकरी के दो मकान में भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाया जाता उससे पहले घरों में रखा सामान पूरी तरह से जल चुका था। पुलिस ने आगजनी की जांच शुरू की है।

कोतवाली थाना क्षेत्र में बनी योगेश्वर टेकरी अति प्राचीन है जिसके एक हिस्से में रहवासी निवास करते हैं। रविवार देर शाम अचानक एक मकान में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लगी और तेजी से फैल गई। आग ने समीप बने मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया था। आसपास के लोगों ने धुआं और लपटे उठती देखी तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन मकान ऊंचाई पर बने होने की वजह से फायर ब्रिगेड ऊपर तक नहीं पहुंच पाई, दमकल कर्मियों को पाइप बिछकर आग पर काबू पाने की मशक्कत करना पड़ी। कब तक काफी देर हो चुकी थी दोनों घरों में रखा सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया था। गनीमत रही की घटना क्रम के दौरान दोनों घरों में कोई मौजूद नहीं था जिसके चलते जनहानि नहीं हो पाई। आग से सबसे अधिक नुकसान गोरेश्वरी तंवर के मकान को हुआ। उन्होंने बताया कि मेरा पूरा घर जल गया है, कुछ भी नहीं बचा। फ्रिज ब्लास्ट हो गया था, हमें पता ही नहीं चला क्योंकि हम घर पर नहीं थे। तीन-चार घरों में आग लग गई।मेरा घर पूरी तरह जल चुका है। पड़ोस में रहने वाली नर्मदा कुमावत ने बताया कि घर का सारा सामान, टीवी, फ्रिज, सोफा और कपड़े जलकर राख हो गए। गनीमत रही कि घर में कोई नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।सीमा ललावत का घर भी आग की चपेट में आया है। उन्होंने बताया कि मैं काम पर गई थीं, तभी उनके पति का फोन आया कि पड़ोस में आग लग गई। लौटीं तो सारा सामान जल चुका था। सीएसपी राहुल देशमुख ने बताया कि आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में फ्रिज में शॉर्ट सर्किट और ब्लास्ट की बात सामने आई है।

शहरी क्षेत्र के रेस्टोरेंटों में घरेलू गैस का हो रहा उपयोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में खुलेआम नियमों को ताक पर रखकर रेस्तरां और नाश्ता दुकानों पर व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की जगह घरेलु सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा भले ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए एलपीजी का बड़ा नीला सिलेंडर उपयोग करना अनिवार्य है, लेकिन नानाखेड़ा क्षेत्र के कई रेस्तरां और दुकानों पर खुलेआम एलपीजी गैस का घरेलू लाल सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं यहां उसकी सुरक्षा की दृष्टि से भी कोई इंतजाम नहीं है। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है, लेकिन इस ओर ना तो कभी संबंधित विभाग के

अधिकारियों की नजर जाती है और ना ही कभी कोई धरपकड़ का अभियान सामने आया है। नतीजन, बेखौफ होकर होटल व चाय-नास्ते की दुकान वाले घरेलू गैस का धड़ल्ले उपयोग कर रहे हैं। हालात यह है इस नियम का पालन कराने की जिम्मेदारी जिस विभाग को दी गई है। उस विभाग के अधिकारी कर्मचारी अपनी आंखों से सब कुछ देख रहे है। बावजूद वे अनदेखा कर रहे हैं।

बड़े होटलों में भी किया जा रहा उपयोग, कार्रवाई नहीं - शहर के बड़े होटलों में भी इनका उपयोग होता दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार कई ठेले वालों और दुकानदारों ने तो रजिस्ट्रेशन तो करा रखा है, लेकिन ये सिलेंडर महंगा होने की वजह से सब्सिडी वाले सिलेंडरों का उपयोग नहीं कर रहे। शहर के कई दुकानदार और ठेलेवाले और होटल संचालकों के पास व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का कनेक्शन नहीं है।

इसलिए वे घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग कर रहे हैं।

जबकि व्यापार के लिए व्यावसायिक गैस सिलेंडर का उपयोग करना अनिवार्य है। इस तरफ अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात होंगे 1500 पुलिसकर्मी

एडीजी ने ली बैठक, 200 कैमरो की नजर में होगा भीड़ प्रबंधन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व पर महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में 1500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। भीड़ प्रबंधन के लिए 200 कैमरो से नजर रखी जाएगी। महाशिवरात्रि की तैयारी को लेकर सोमवार को एडीजी ने बैठक आयोजित की और दिशा निर्देश जारी किये।

बाबा महाकाल के दरबार में महाशिवरात्रि का पर्व 15-16 फरवरी को मनाया जाएगा। प्रशासन ने 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार को

पुलिस कंट्रोल रूम पर एडीजी राकेश गुप्ता की मौजूदगी में महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के साथ दर्शन व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, एएसपी गुरु प्रसाद पाराशर, आलोक शर्मा, सीएसपी स्तर के अधिकारी और थाना प्रभारी शामिल हुए। बैठक के दौरान अनुमान लगाया गया कि महाशिवरात्रि पर्व पर देशभर के 10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच सकते हैं। श्रद्धालुओं को बाबा के आसानी से दर्शन हो सके और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो इसको लेकर 1500 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में 150 महिला पुलिसकर्मी भी तैनात रहेगी। वीआईपी दर्शन व्यवस्था के लिए 250 पुलिसकर्मियों को जिम्मा सौंपा जाएगा। मंदिर के आसपास मार्गों पर यातायात व्यवस्था ना बिगड़े इसकी जिम्मेदारी यातायात के पुलिस जवानों पर रहेगी। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 200 सीसीटीवी कैमरो के साथ पांच ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एआई प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। यातायात व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या को देखते हुए वाहन पार्किंग स्थल तैयार किया जा रहे हैं। मंदिर के आसपास और मार्गो पर व्यवस्था बनी रहे इसके लिए यातायात पुलिस लगातार निगरानी करेगी, भीड़ का दबाव बढ़ाते ही आने जाने वाले वाहनों का रूट बदलकर व्यवस्था संभाली जाएगी। बैठक के दौरान प्रशासन श्रद्धालुओं को 40 मिनट में दर्शन करने और विशेष मार्ग प्रणाली लागू करने की बात कही। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में मेडिकल हेल्थ पाइंट बनाए जाएंगे। वहीं दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को आसानी से दर्शन इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।